सूविचार

सफल व्यक्ति वह है जो खुद पर फेंकी गई ईंटों से मजबूत नीव बना ले।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 12 | अंक : 130 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, शनिवार 08 अगस्त 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

संक्षिप्त समाचार

अरुणाचल में चीनी घुसपैठ की खबरें महज अफवाह: पेमा खांडू

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने राज्य में चीनी घुसपैठ की खबरों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर चल रही ऐसी खबरें पूरी तरह आधारहीन हैं। सीएम खांडू ने बताया कि भारतीय सेना के जवान लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात हैं और लगातार इलाके की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे लोकल जनजातियों और सेना के अधिकारियों से बात करके इन दावों की पुष्टि करुंगा, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि कोई घुसपैठ हुई है। मुख्यमंत्री का यह बयान तब आया है, जब सोशल मीडिया पर चीनी सेना के एलएसी के रास्ते अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करने की अफवाहें तेजी से फैल रही थीं। पिछले महीने, राज्य के गृह मंत्री मामा नटुंग ने भी इन खबरों को सिर्फ अफवाह बताया था। नटुंग ने जनता से अपील की थी कि वे ऐसी खबरों को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले उनकी सच्चाई की जांच अवश्य कर लें।

पटना में बेकाबू भीड़ का तांडव: थाने में तोड़फोड़, पुलिस की गाड़ियां फूंकी

पटना। बिहार की राजधानी पटना के बड़ी पहाड़ी इलाके में तेज रफ़्तार बस से कुचलकर एक व्यक्ति की मौत के बाद भीषण हिंसा भड़क उठी। गुस्साई भीड़ ने न केवल बस को आग लगा दी, बल्कि अगमकुआं पुलिस स्टेशन पर हमला कर उसमें तोड़फोड़ की और पुलिस की 3 गाड़ियों को फूंक दिया। यह घटना अगमकुआं पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई, जहां मृतक की पहचान अभी तक नहीं हुई है। घटना से इलाके में भारी अफरा-तफरी मच गई, जिसके कारण करीब 10 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तत्काल अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से भी झड़प की और उन पर पथराव किया। हिंसा का दौर तब और बढ़ गया जब उन्होंने पुलिस स्टेशन में आग लगा दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आगज़नी के समय थाने में तीन पुलिसकर्मी तैनात थे, जिन्होंने किसी तरह अपनी जान बचाई। स्टेशन के भीतर सारा सामान तोड़फोड़ दिया गया, जबकि बाहर खड़ी तीन पुलिस गाड़ियों को भी जला दिया गया।

कावेरी विवाद पर सीएम विजय बोले- समाधान के लिए रखा था बातचीत का प्रस्ताव

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने शुक्रवार को कहा कि कावेरी जल विवाद के समाधान के लिए उन्होंने स्वयं कर्नाटक के साथ बातचीत का प्रस्ताव रखा था। उनका उद्देश्य केवल तमिलनाडु के हितों की रक्षा करना और दोनों राज्यों के बीच संवाद के माध्यम से सकारात्मक समाधान निकालना था। विधानसभा में कावेरी मुद्दे पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि वह इस संवेदनशील विषय पर राजनीतिक लाभ या ओछी राजनीति में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि वर्ष 1969 से तमिलनाडु ने इस विवाद के समाधान के लिए कई रास्ते अपनाए हैं, जिनमें आपसी बातचीत से लेकर न्यायिक प्रक्रिया तक शामिल है। सीएम विजय ने कहा कि उनकी सरकार कावेरी विवाद में राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनी लड़ाई पूरी मजबूती से जारी रखेगी।

शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का मैदानी स्तर पर लेंगे जायजा

प्रत्येक शुक्रवार को दौरे पर रहेंगे अधिकारी : मुख्यमंत्री

» मुख्यमंत्री डॉ. यादव का छिंदवाड़ा में अधिकारी-कर्मचारियों ने किया अभिनंदन » मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 8 नव नियुक्त शिक्षकों को सौंपे नियुक्ति पत्र

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में सभी वर्गों के लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उनके नेतृत्व में दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा स्थापित हुई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अंत्योदय और जनकल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। मध्यप्रदेश सरकार भी गरीब, किसान, युवा और नारी सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

प्रदेश में शासकीय अधिकारी और कर्मचारियों की पदोन्नति वर्षों से अटकी थी। हमारी सरकार ने कर्मचारियों को पदोन्नति का उनका अधिकार दिलवाया। पदोन्नति के लिए सभी जरूरी प्रक्रियाओं को समय से पूरा करते हुए वर्तमान वर्ष में शेष रह गए अधिकारी-कर्मचारियों की भी पदोन्नति सितंबर-अक्टूबर माह में कर दी जाएगी। सरकार के कार्यों को धरातल पर सफल बनाने और सुशासन स्थापित करने में राज्य के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को छिंदवाड़ा के एफडीडीआई ऑडिटोरियम में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी विभागों में शासकीय पदों पर नई भर्तियों की शुरुआत कर दी है। पुलिस विभाग में ही 18 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की जा रही है। इसमें 1000 पद ड्राइवरों के भी शामिल हैं। स्कूल शिक्षकों के 10 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया संपन्न हुई है। उच्च शिक्षा विभाग में 7 हजार से अधिक व्याख्याताओं की भर्ती की गई है। म.प्र. व्यावसायिक शिक्षा मंडल ने विभिन्न विभागों में 17 हजार पदों पर नई भर्ती के लिए सूचना जारी की है। बीते ढाई साल में एक लाख पदों पर भर्ती की जा चुकी है। अब 2 लाख नई भर्ती करने की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास और जनकल्याण के लिए राज्य सरकार दूरगामी विजन के साथ कार्य कर रही है। आज छिंदवाड़ा से एक नई शुरुआत की जा रही है। अब प्रत्येक शुक्रवार को किसी भी दफ्तर में कोई मीटिंग नहीं होगी। सभी अधिकारी जनता के बीच मौजूद रहकर मैदानी स्तर पर शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का जायजा लेंगे। जन विश्वास अभियान में आम नागरिकों की बेहतरी और उन्हें सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मैदानी स्तर पर आने वाली कठिनाईयों का समाधान किया जाएगा। अभियान आगामी 7 जनवरी 2027 तक चलेगा। प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति को लाभ दिलवाने और सुशासन के लिए यह मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान मील का पत्थर सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों-कर्मचारियों से जनता की सेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

केजरीवाल का दावा: पीएम मोदी जनता से खुद को बचाने के लिए बना रहे कानून

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाकर दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से खुद को बचाने के लिए कानून बना रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से लड़ रहे हैं और पेपर लीक, ई-20 फ्यूल जैसे मुद्दों पर उनके पुराने समर्थक भी उनके खिलाफ हो रहे हैं। केजरीवाल का ये बयान तब हैं जब मेटा (मेटा) से जुड़े बड़े विवाद के बीच सूत्रों ने बताया कि कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने प्रधानमंत्री मोदी का फेसबुक वीडियो कुछ समय के लिए हटाने पर भारत सरकार से माफी मांगी है। जुकरबर्ग ने कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मटीरियल, डीपफेक कंटेंट और प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों के लिए खेद जताया है। सूत्रों के अनुसार, मेटा ने स्वीकार किया कि गैर-कानूनी कंटेंट, जिसमें बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री शामिल थी, को खास ऑडियंस के लिए पेड प्रमोशन के माध्यम से बढ़ावा दिया था।

पीएम मोदी ने नए एनडीए सांसदों को नाश्ते पर दिए संसद अनुशासन और स्वास्थ्य टिप्स

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली में नवगठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों के साथ अनौपचारिक नाश्ते पर मुलाकात की। इस बैठक में एनसीपीआई (जो टीएमसी के बागी सांसद हैं) और शिवसेना (उद्धव गुट के बागी) के सांसद शामिल हुए। सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई मुलाकात के दौरान, पीएम मोदी ने संसद के बार-बार बाधित होने पर गहरी चिंता व्यक्त की और सभी सांसदों को स्वस्थ रहने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। सदन के कामकाज में लगातार आ रही बाधाओं से नाराज पीएम मोदी ने कहा कि लोकतंत्र में इस तरह संसद का बार-बार स्थगित होना ठीक नहीं है। उन्होंने सांसदों से अपनी दिनचर्या सुधारने, योग करने और स्वस्थ रहने की सलाह दी, ताकि वे अपने कर्तव्यों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकें। उन्होंने कहा कि बेहतर काम के लिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अनिवार्य है। इस नाश्ते में एनसीपीआई के 19 सांसद मौजूद रहे। एनसीपीआई सांसद जगदीश बसुनिया ने मुलाकात के बाद बताया

कि प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत के निर्माण में उनके योगदान पर चर्चा की और केंद्र सरकार की योजनाओं को पश्चिम बंगाल तक पहुंचाने की उनकी प्रतिबद्धता को सराहा। उन्होंने यूसुफ पठान सहित सभी सांसदों की एकजुटता पर बल दिया। एक अन्य एनसीपीआई सांसद रचना बनर्जी ने मुलाकात को सौभाग्यपूर्ण बताकर कहा कि पीएम मोदी संसद में सुचारु कामकाज चाहते हैं और देशहित में काम करने पर जोर दिया।

जेन-जी को किसी प्रमाणपत्र की जरुरत नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव एवं वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत की जेन-जी को लेकर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नई पीढ़ी को उनसे किसी प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, जेन-जी को मोहन भागवत जी से किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी की यह प्रतिक्रिया मोहन भागवत के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने जेन-जी और जेन-अल्फा की तारीफ करते हुए उन्हें गंभीर दृष्टिकोण वाला बताया था और उन्हें साधने की कोशिश की थी। दरअसल प्रियंका गांधी से संसद परिसर में पत्रकारों ने भागवत की टिप्पणी से जुड़ा सवाल किया था, जिस पर उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'जेन-जी को मोहन भागवत जी से किसी प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है।' इससे पहले मुंबई के एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा था कि लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन को संवाद का एक वैध और आवश्यक माध्यम है। उन्होंने जेन-जी और जेन-अल्फा पीढ़ी को साधते हुए कहा था, कि आज के युवा सवाल पूछते हैं, जवाब चाहते हैं और समाज व देश के प्रति गंभीर दृष्टिकोण रखते हैं।

दिव्य धाम आश्रम दिल्ली में आयोजित श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव 2026 में दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता एवं समर्पण के भावों को अभिव्यक्त किया गया

गुरु-शिष्य परंपरा के शाश्वत महत्व तथा दिव्य ज्ञान की रूपांतरकारी शक्ति की पुन: पुष्टि करते हुए, दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान (डीजेजेएस) द्वारा दिल्ली स्थित दिव्य धाम आश्रम में भव्य श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव 2026 का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर हजारों श्रद्धालु, आध्यात्मिक साधक एवं गणमान्य अतिथि एकत्रित हुए और उन्होंने दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी (संस्थापक एवं संचालक, डीजेजेएस) के श्रीचरणों में अपनी श्रद्धा एवं कृतज्ञता के भाव समर्पित किए। यह महोत्सव गुरु-भक्ति की भावना को और अधिक प्रगाढ़ करने, धर्ममय जीवन के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ बनाने तथा पूर्ण गुरु की दिव्य कृपा से आत्म-साक्षात्कार के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा प्रदान करने वाला एक अनुपम आध्यात्मिक संगम सिद्ध हुआ।

दिव्य समारोह का शुभारंभ ब्रह्मज्ञानी वेदपाठियों द्वारा गूंजायमान वैदिक मंत्रोच्चारण से हुआ, जिससे संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा एवं पवित्रता से आलोकित हो उठा। भक्ति-समागम के प्रमुख आकर्षणों में सामूहिक गुरु पूजन, मंगल आरती, भावपूर्ण भजन एवं ज्ञानवर्धक प्रवचन शामिल रहे। इसके अतिरिक्त, गुरु गोरखनाथ एवं उनके गुरु मत्स्येन्द्रनाथ की प्रेरणादायक कथा पर आधारित आध्यात्मिक नाट्य प्रस्तुति जाग गोरख मच्छंदर का खेल है माया ने उपस्थित जनसमूह को गहन आध्यात्मिक चिंतन के लिए प्रेरित किया। इस प्रस्तुति में माया (मोह एवं सांसारिक आसक्ति) के सूक्ष्म स्वरूप का प्रभावशाली चित्रण करते हुए आध्यात्मिक जागरण की अनिवार्यता को रेखांकित किया गया। डीजेजेएस के प्रतिनिधियों स्वामी नरेंद्रानंद जी, साध्वी तपेश्वरी भारती जी, साध्वी शैब्या भारती जी एवं साध्वी दीपांकरा भारती जी ने सभा को संबोधित करते हुए दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी की शिक्षाओं तथा श्री गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक महत्व पर अपने प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। उनके ओजस्वी एवं ज्ञानमय उद्बोधनों से संपूर्ण वातावरण गुरु-भक्ति, श्रद्धा एवं कृतज्ञता की दिव्य भावना से सराबोर हो उठा।

वक्ताओं ने अत्यंत सुंदर ढंग से स्पष्ट किया कि श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव का मूल उद्देश्य गुरु के प्रति कृतज्ञता का जागरण, सद्गुणों का विकास तथा साधकों को आत्म-साक्षात्कार के पथ पर निरंतर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि यह पर्व आत्मचिंतन, आत्म-मूल्यांकन तथा आध्यात्मिक संकल्पों के पुन: दृढ़ीकरण का अनुपम अवसर है। साथ ही, आधुनिक जीवन की चुनौतियों के बीच गुरु-मार्गदर्शन की प्रासंगिकता तथा आंतरिक शांति एवं आध्यात्मिक पूर्णता की प्राप्ति हेतु ब्रह्मज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग पर विशेष बल दिया।

वक्ताओं ने यह भी समझाया कि गुरु-शिष्य संबंध पारंपरिक शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों से कहीं अधिक गहन, दिव्य एवं आध्यात्मिक है। यह संबंध आत्म-जागरण एवं आंतरिक रूपांतरण की आधारशिला है। गुरु शिष्य का मार्गदर्शन करते हुए उसे आत्म-अन्वेषण, आत्मबोध एवं अंतत: परमात्मा के प्रत्यक्ष अनुभव की ओर अग्रसर करते हैं। आज के भौतिक आकांक्षाओं एवं बाह्य आकर्षणों से प्रभावित युग में गुरु शाश्वत प्रकाशस्तंभ के समान हैं, जो साधकों को स्थायी शांति, जीवन के वास्तविक उद्देश्य तथा मुक्ति के पथ की ओर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

श्री गुरु पूर्णिमा के गहन आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए यह विशेष रूप से रेखांकित किया गया कि सच्ची गुरु-भक्ति केवल बाह्य पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं होती, बल्कि गुरु की शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करने के सतत एवं ईमानदार प्रयासों में ही उसकी वास्तविक अभिव्यक्ति निहित है। श्री गुरु पूर्णिमा दिव्य मार्गदर्शन के प्रति पूर्ण समर्पण तथा आध्यात्मिक सिद्धांतों के अनुरूप अपने जीवन को रूपांतरित करने की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है। श्रद्धालुओं को प्रेरित किया गया कि वे ध्यान, नैतिक आचरण तथा निष्काम सेवा को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाकर आध्यात्मिकता को केवल विचार नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव के रूप में आत्मसात करें।

कार्यक्रम में अतिथिगणों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने आध्यात्मिक उत्थान तथा मूल्य-आधारित सामाजिक परिवर्तन की दिशा में डीजेजेएस द्वारा किए जा रहे सतत एवं बहुआयामी प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की। इस भव्य आयोजन को प्रमुख प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया मंचों पर व्यापक कवरेज प्राप्त हुई। सामूहिक ध्यान सत्र एवं विशाल सामुदायिक भंडारे ने भी इस अवसर को और अधिक गरिमामय एवं अविस्मरणीय बना दिया। इन आयोजनों ने सभी प्रतिभागियों के मध्य समानता, एकता, सेवा एवं सामूहिक आनंद की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। शांत एवं आध्यात्मिक वातावरण में ध्यान करते हुए श्रद्धालुओं ने आंतरिक मौन, आत्मिक शांति तथा गहन आध्यात्मिक चिंतन के अनुपम क्षणों का अनुभव किया। इससे यह संदेश और अधिक सशक्त हुआ कि वास्तविक शांति, स्थायी आनंद एवं जीवन की पूर्णता केवल आध्यात्मिक ज्ञान तथा नियमित साधना के माध्यम से परमात्मा से जीवंत संबंध स्थापित करके ही प्राप्त की जा सकती है।

निस्संदेह, श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव 2026 अत्यंत प्रेरणादायी एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। इस दिव्य आयोजन ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक रूप से नवऊर्जा प्रदान करते हुए गुरु-तत्त्व के साथ अपने संबंध को और अधिक सुदृढ़ बनाने की प्रेरणा दी। साथ ही, इस महोत्सव ने सफलतापूर्वक यह शाश्वत संदेश जन-जन तक पहुँचाया कि एक पूर्ण सद्गुरु की कृपा मानव जीवन का सर्वोच्च सौभाग्य एवं सबसे बड़ा आशीर्वाद है। यही कृपा आंतरिक रूपांतरण, सार्वभौमिक सामंजस्य, आत्म-साक्षात्कार तथा परमात्मा के दिव्य साक्षात्कार की ओर ले जाने वाला सबसे सुनिश्चित एवं कल्याणकारी मार्ग है।

विश्व स्तनपान सप्ताह का समापन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का दिया संदेश

परियोजना के आंगनवाड़ी केंद्रों पर सप्ताहभर चले जन-जागरूकता कार्यक्रम, गर्भवती व धात्री माताओं को स्तनपान के लाभ बताए गए

इटारसी। महिला एवं बाल विकास विभाग की इटारसी परियोजना के अंतर्गत 1 अगस्त से 7 अगस्त 2026 तक विश्व स्तनपान सप्ताह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सप्ताहभर आंगनवाड़ी केंद्रों पर विभिन्न जन-जागरूकता एवं सामुदायिक गतिविधियों के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री माताओं, उनके परिवारों तथा समुदाय को स्तनपान के महत्व और शिशु पोषण संबंधी आवश्यक जानकारियां दी गईं।

कार्यक्रम के दौरान सामुदायिक आधारित गतिविधियों में जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू कराने, जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने तथा छह माह बाद पूरक आहार के साथ दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने सही स्तनपान तकनीक का प्रदर्शन करते हुए इससे जुड़ी सामान्य समस्याओं एवं उनके समाधान भी बताए। साथ ही स्तनपान से जुड़े भ्रम और तथ्यों पर चर्चा कर लोगों को जागरूक किया गया तथा पिता, दादा-दादी सहित परिवार के अन्य सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित की गई।

सप्ताहभर स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के सहयोग से वीएचएसएनडी, गृह भ्रमण तथा टेक होम राशन वितरण के दौरान भी माताओं को शिशु पोषण एवं स्तनपान संबंधी परामर्श दिया गया। पंचायत प्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी से रैली, सामुदायिक बैठकें एवं स्तनपान शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान शिशु दूध विकल्प (आईएमएस) अधिनियम-1992 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए मातृ दुग्धपान को बढ़ावा देने और शिशु दूध विकल्पों एवं फीडिंग बोतलों के अनावश्यक प्रचार-प्रसार से बचने का संदेश दिया गया। आंगनवाड़ी केंद्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जन-जागरूकता सामग्री प्रदर्शित की गई तथा सोशल मीडिया के माध्यम से भी स्तनपान के महत्व का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। विश्व स्तनपान सप्ताह के सफल आयोजन में प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती दीप्ति शुक्ला, पर्यवेक्षक श्रीमती अर्चना बस्तवार, श्रीमती रेखा चौरे, श्रीमती मीना घाट एवं श्रीमती राखी मौर्य के मार्गदर्शन में समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के सामूहिक प्रयासों की सराहना की गई।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम पंचायतों का किया त्वरित निरीक्षण

भिण्ड। मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड श्री वीरसिंह चौहान ने मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत सुनारपुरा, परोसा और प्रतापपुरा का आकस्मिक निरीक्षण कर विकास कार्यों और जनकल्याण योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन किया और पंचायतों के अभिलेखों की सटीकता व अपडेट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीईओ जिला पंचायत श्री चौहान ने स्कूलों और आंगनवाड़ियों का विशेष निरीक्षण किया तथा बच्चों की उपस्थिति पर चिंता जताते हुए उपस्थिति बढ़ाने के लिए पलकों की बैठक कर तत्काल कार्रवाई हेतु सक्षम अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने शिक्षण संस्थानों में कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और शेष बच्चों की अपार आईडी जोड़ी जाए ताकि सभी का लाभ सुनिश्चित हो।

टमसार स्वास्थ्य केंद्र का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर दिया जोर, मरीजों से जाना उपचार का हाल

सीधी। कलेक्टर ने बुधवार को टमसार स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, वार्ड, दवा वितरण कक्ष, प्रसूति कक्ष, टीकाकरण कक्ष तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा कर उपचार, चिकित्सकों की उपलब्धता, दवाओं की उपलब्धता तथा अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मरीजों से मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में फीडबैक लिया और कहा कि प्रत्येक मरीज के साथ संवेदनशील एवं मानवीय व्यवहार किया जाए, ताकि उन्हें बेहतर उपचार के साथ विश्वासपूर्ण वातावरण भी मिल सके।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति, दवाओं के स्टॉक, आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता तथा साफ-सफाई की स्थिति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र परिसर में स्वच्छता बनाए रखने, सभी आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने तथा मरीजों को अनावश्यक रूप से बाहर की दवाएं न लिखने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर उपचार, आवश्यक जांच एवं सभी शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए। साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, नियमित टीकाकरण तथा आपातकालीन सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया।

निरीक्षण के अंत में कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

सभी विभाग ई-ऑफिस के माध्यम से करें पत्राचार: कलेक्टर

शहडोल। नवागत कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में जिला अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक सम्पन्न हुई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी फाइलें, पत्राचार तथा समय-सीमा के पत्रों का निराकरण ई-ऑफिस के माध्यम से ही करेंगे। उन्होंने कहा कि महीने में निर्माण विभागों, स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग, राजस्व विभाग, कृषि, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक एक साथ आयोजित की जाएंगी। कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल ने बताया कि समय-सीमा की बैठक में सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारण्टी, न्यायालयीन प्रकरणों, अंतर विभागीय समन्वय, शासन के पत्रों की प्राथमिकता से समीक्षा की जाएगी। बैठक में संबंधित जिला प्रमुख अधिकारी अनिवार्य रूप से जानकारी के साथ उपस्थित रहेंगे।

ठाड़ीपाथर में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के घर पहुंचे कलेक्टर

सुखसेन बैगा एवं पानकली बैगा के आवास का किया निरीक्षण, योजनाओं के क्रियान्वयन का लिया फीडबैक

सीधी। कलेक्टर ने बुधवार को ग्राम ठाड़ीपाथर पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही सुखसेन बैगा एवं पानकली बैगा के आवास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आवास निर्माण की गुणवत्ता, निर्माण कार्य की स्थिति तथा हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने हितग्राहियों एवं उनके परिवार के सदस्यों से चर्चा कर आवास निर्माण की प्रक्रिया, प्राप्त सुविधाओं तथा योजना से हुए लाभ के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित एवं सम्मानजनक पक्का आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत आवासों का निर्माण समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण कराया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ बिना किसी परेशानी के मिले। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने हितग्राहियों से अन्य शासकीय योजनाओं की जानकारी भी ली तथा आवश्यकतानुसार उन्हें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि शासन की प्रत्येक योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचे और हितग्राहियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ज्ञानेंद्र मिश्रा, तहसीलदार नारायण सिंह सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के सफल संचालन को लेकर बैठक आयोजित

एसडीएम प्रिया पाठक ने खंड स्तरीय अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

सीधी। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के प्रभावी एवं सुचारू क्रियान्वयन के लिए बुधवार को जनपद पंचायत सीधी के मिनी सभागार में एसडीएम गोपद बनास प्रिया पाठक की अध्यक्षता में खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 07 अगस्त 2026 से 08 जनवरी 2027 तक प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाले अभियान की तैयारियों एवं कार्ययोजना की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में एसडीएम ने निर्देश दिए कि प्रत्येक गुरुवार तक सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई (जन आकांक्षा पोर्टल) तथा लोक सेवा गारंटी से संबंधित सभी लंबित आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लंबित प्रकरणों के निराकरण में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

उन्होंने निर्देशित किया कि अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार को सभी खंड स्तरीय अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में आवश्यक दस्तावेजों के साथ भ्रमण करेंगे। भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से प्राप्त ऑफलाइन आवेदनों का मौके पर संधारण कराते हुए उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा तथा संबंधित आवेदनों को निर्धारित पोर्टल पर दर्ज कराया जाएगा, ताकि नागरिकों को त्वरित एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

बैठक में एसडीएम प्रिया पाठक ने अभियान की सफलता के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, निर्धारित समय-सीमा का पालन करने तथा आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन की सेवाओं को आमजन तक सरल, सुगम एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाना है, इसलिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कुसमी में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद

कलेक्टर ने छात्रावास का किया निरीक्षण, विद्यार्थियों के साथ किया रात्रि भोजन

सीधी। कलेक्टर ने मंगलवार को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कुसमी का भ्रमण कर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ आत्मीय संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई, भविष्य के लक्ष्य, दैनिक दिनचर्या, खेलकूद, छात्रावास की व्यवस्थाओं तथा विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। वहीं शिक्षकों से शैक्षणिक गतिविधियों, परीक्षा परिणाम, विद्यार्थियों की प्रगति, नवाचारों तथा विद्यालय संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर ने शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखें, बल्कि उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और नैतिक मूल्यों का भी विकास करें। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर अध्ययन करने, समय का सदुपयोग करने तथा जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं।

भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थाओं, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय एवं छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास में स्वच्छता, भोजन, पेयजल, सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन को विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर आवासीय सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी अंचल के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है।

भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने छात्रावास में विद्यार्थियों के साथ बैठकर रात्रि भोजन भी किया। भोजन के दौरान उन्होंने बच्चों से सहज वातावरण में चर्चा की, उनकी समस्याएं सुनीं, भोजन की गुणवत्ता और छात्रावास की व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक लिया तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। विद्यार्थियों ने भी कलेक्टर के साथ आत्मीय बातचीत कर अपने अनुभव साझा किए।

कलेक्टर के इस आत्मीय संवाद और मार्गदर्शन से शिक्षक एवं विद्यार्थी दोनों ही उत्साहित नजर आए। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वास दिलाया कि जिला प्रशासन उनकी शिक्षा, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव प्रयास करता रहेगा।

प्रशासन एवं मीडिया के समन्वय से होता है बेहतर समाज का निर्माण: कलेक्टर

शहडोल। नवागत कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया। उन्होंने जिले में प्रशासन की प्राथमिकताओं, विकास कार्यों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा की। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन एवं मीडिया के समन्वित प्रयासों से बेहतर समाज का निर्माण होता है। मीडिया शासन की योजनाओं एवं जनहितकारी कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल ने कहा कि जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए कार्य किया जाएगा। शासन की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे पात्र हितग्राही तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य किया जाएगा। आपने कहा कि अधोसंरचना निर्माण के कार्यों को गति देकर समय-सीमा में पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले के विकास के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। प्रशासन द्वारा जनसमस्याओं के निराकरण तथा नागरिकों को बेहतर शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का समय पर लाभ दिलाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। मीडिया प्रतिनिधियों ने नवागत कलेक्टर का स्वागत करते हुए जिले से संबंधित विभिन्न विषयों एवं जनहित के मुद्दों से अवगत कराया। कलेक्टर ने मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए विषयों को गंभीरता से सुना तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर आवश्यक कार्रवाई एवं संबंधित विभागों से समन्वय कर निराकरण सुनिश्चित करने की बात कही। आपने बताया कि 07 अगस्त से मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत हर शुक्रवार को ग्रामीण क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन कर जन समस्याओं का निराकरण, शिकायतों का निराकरण तथा पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। शुक्रवार के दिन जिले के सभी अधिकारी भ्रमण में रहेंगे। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन और मीडिया के बीच निरंतर संवाद एवं सकारात्मक समन्वय से शासन की योजनाओं, विकास कार्यों तथा जनहितकारी गतिविधियों की जानकारी अधिक प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाई जा सकती है। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि जिले के विकास और जनकल्याण के लिए सभी के सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत 9 से 17 अगस्त तक होंगे विविध आयोजन

शहडोल। कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल ने बताया है कि भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुक्रम में प्रदेश में 9 से 17 अगस्त 2026 तक 'हर घर तिरंगा अभियान' का आयोजन व्यापक जनभागीदारी के साथ किया जाएगा। अभियान के माध्यम से नागरिकों को विगत वर्षों की तरह उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भी मनाया जाएगा। देशभक्ति की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विभिन्न शासकीय कार्यक्रम एवं गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान के अंतर्गत जिले के सभी क्षेत्रों में तिरंगा से प्रेरित कला, तिरंगा प्रदर्शनी, तिरंगा रंगोली, तिरंगा बुनाई, तिरंगा पर प्रश्नोत्तरी, तिरंगा सजावट एवं प्रकाश व्यवस्था जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सैनिक बलों के जवानों एवं पुलिसकर्मियों के सम्मान में 'पत्र लेखन' जैसे कार्यक्रमों के साथ-साथ तिरंगा संगीत कार्यक्रम एवं नुक्कड़ नाटकों का आयोजन भी सुनिश्चित किया जाएगा। स्थानीय स्व-सहायता समूहों एवं उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से आम नागरिकों के लिए पर्याप्त मात्रा में खादी/पॉलिएस्टर के राष्ट्रीय ध्वज की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। अभियान के दौरान केंद्रित तिरंगा मेला, तिरंगा कंसर्ट, तिरंगा बाइक/तिरंगा ई-बाइक, तिरंगा साइकिल रैली, उच्च जनभागीदारी के साथ तिरंगा यात्रा, तिरंगा ध्वज बिक्री एवं समुचित व्यवस्था, मानव श्रृंखला निर्माण तथा तिरंगा एंथम आदि महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

लायंस क्लब इटारसी कपल की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ, सेवा कार्यों का लिया व्यापक संकल्प

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर महेश मालवीय की मौजूदगी में हुआ शपथ ग्रहण समारोह, पांच नए कपल सदस्यों का हुआ स्वागत

इटारसी। विश्व के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय सेवा संगठन लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 त्न2 के अंतर्गत लायंस क्लब इटारसी कपल की वर्ष 2026-27 की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शहर स्थित प्लैटिनम रिजॉर्ट में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में सेवा, नेतृत्व और सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम में जिले एवं क्षेत्र के अनेक वरिष्ठ लायन पदाधिकारी तथा विभिन्न क्लबों के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समारोह के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन महेश मालवीय एवं लायन गायत्री मालवीय रहे। विशेष रूप से संस्थापक अधिकारी एवं शहर के वरिष्ठ लायन पीडीजी एमजेएफ लायन अनिल कुमार झा तथा नर्मदापुरम रीजन चेयरपर्सन पीएमजेएफ लायन डॉ. शैलेंद्र नेमा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में पीडीजी लायन अनिल कुमार झा ने वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नई कार्यकारिणी में लायन डॉ. रविंद्र गुप्ता ने अध्यक्ष, लायन डॉ. अभिषेक सोनी ने सचिव तथा लायन डॉ. विजयंत बडकुल ने कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। सभी पदाधिकारियों ने क्लब की सेवा परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।इस कार्यक्रम के दौरान क्लब परिवार का विस्तार करते हुए पांच नए कपल सदस्यों को भी विधिवत सदस्यता दिलाई गई। इसमें डॉ. प्रियंक एवं पूनम मिश्रा, आजाद एवं सोनिया जैन, विवेक एवं प्रीति वर्मा, कृष्णकांत एवं नैंसी अग्रवाल तथा प्रदीप एवं संध्या जैन शामिल रहे। रीजन चेयरपर्सन डॉ. शैलेंद्र नेमा ने सभी नए सदस्यों को शपथ दिलाकर उनका स्वागत किया। समारोह में इटारसी के लायंस क्लब फ्रेंड्स, पंख, मैत्री, समर्पण और सुदर्शन सहित नर्मदापुरम एवं माखननगर के विभिन्न लायंस क्लबों के पदाधिकारी और सदस्य भी शामिल हुए। आयोजन समिति की जिम्मेदारी लायन राशि लोकेश साहू एवं लायन वंदना ओझा ने निभाई, जबकि मंच संचालन चार्टर प्रेसिडेंट लायन प्रीति अभय दुबे एवं लायन डॉ. राकेश-लीना बत्रा ने किया। कार्यक्रम में क्लब के सदस्य लायन डॉ. पूजा गुप्ता, लायन विनीता बडकुल, लायन पारस-निकिता जैन, लायन डॉ. संजय-अर्चना गुप्ता, लायन संजय-श्रद्धा अग्रवाल, लायन हरीश-बबीता अग्रवाल, लायन सुनील-शिल्पी सराठे, लायन मनोज-काजल साहू तथा लायन किरण अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर नई कार्यकारिणी ने वर्ष 2026-27 के सेवा कार्यों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। क्लब द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं नेत्र जांच शिविर, विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरण, मधुमेह जागरूकता अभियान, आंगनबाड़ी केंद्रों में सहयोग, पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण, भोजन वितरण, रोगियों, जरूरतमंद एवं अभावग्रस्त लोगों की सहायता जैसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि क्लब का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक सेवा का लाभ पहुंचाना और समाज के हर वर्ग के साथ मिलकर मानवीय सरोकारों को मजबूत करना रहेगा।

सिद्धपुर सेवा भारती नगर भेरूंदा द्वारा ग्राम राला में निःशुल्क भव्य स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न

सिद्धपुर सेवा भारती नगर भेरूंदा द्वारा सेवा कार्यों की निरंतर श्रृंखला के अंतर्गत ग्राम राला में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। सेवा भारती द्वारा प्रत्येक सप्ताह अलग-अलग ग्रामों में ऐसे शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को उनके निकट ही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय जिला संघचालक श्री रामानंद जी, जिला सेवा प्रमुख पारस वर्मा,जिला स्वास्थ्य आयाम प्रमुख डॉ दीपक वर्मा, नगर अध्यक्ष विजेंद्र जी शर्मा,नगर उपाध्यक्ष श्रीमती राधिका जैमिनी, रानी वर्मा सह कोषाध्यक्ष, नगर महिला प्रमुख श्रीमती शक्ति शर्मा, ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप बजाज,बसंत राम जी यादव ,मनोहर जी पटेल ,मुकेश जी तिवारी, की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में नर्मदा हॉस्पिटल के डायरेक्टर राजेश शर्मा,डॉक्टर ऋषभ राय ,डॉक्टर प्रदीप सांख्ले, जोवी जोश,मंगल मकवाना, रोशनी साहू,अभिषेक पवार,काजल जी ,सेवा सदन से नेत्र परीक्षण के लिए डॉक्टर अरुण वर्मा,आदर्श जी शर्मा,दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर दीपक वर्मा समाधान क्लिनिक से अपनी सेवाएं प्रदान की।

शिविर में कुल 125 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ प्राप्त किया। नेत्र परीक्षण में 70 लोगो की जाँच के दौरान 12 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान हुई, जिन्हें आगे के उपचार एवं ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। 5 लोगों की आंख में जाले पाई गईं, जबकि शेष लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार चश्मे का नंबर एवं उचित चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया 55 मरीजों को डॉक्टर ऋषभ राय, डॉक्टर प्रदीप सांख्ले ,एमबीबीएस द्वारा देखा गया। जिसमें सिरदर्द,शुगर ,ब्लड प्रेशर, हड्डी से संबंधित, पेट से संबंधित, मरीजों को उचित उपचार एवं उचित सलाह दी गई। उपस्थित अतिथियों ने सेवा भारती के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। सेवा भारती का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा, स्वास्थ्य और संवेदना पहुँचाना है। ग्रामीणों ने शिविर के सफल आयोजन के लिए सेवा भारती, चिकित्सक दल एवं सभी कार्यकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ ने हथनापुर उर्वरक वितरण केंद्र का किया निरीक्षण

किसानों को खाद वितरण व्यवस्था का लिया जायजा, पंजियों एवं अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण के दिए निर्देश

नर्मदापुरम। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत नर्मदापुरम संभाग के संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ ने शुक्रवार को सहकारी समिति हथनापुर स्थित खाद एवं उर्वरक वितरण केंद्र का निरीक्षण कर किसानों को उपलब्ध कराई जा रही उर्वरक वितरण व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वितरण प्रणाली, उपलब्ध भंडार तथा अभिलेखों के संधारण की स्थिति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संभागायुक्त श्री बनोठ ने केंद्र पर किसानों को संकर पद्धति (हाइब्रिड मोड) के माध्यम से किए जा रहे खाद एवं उर्वरक वितरण की पूरी प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने गोदाम में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के उर्वरकों के भंडार, उनके सुरक्षित भंडारण तथा किसानों को वितरण की व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त ने संबंधित अधिकारियों से उर्वरकों की उपलब्धता, वर्तमान भंडार की स्थिति, किसानों को वितरण की प्रक्रिया तथा उससे जुड़े अभिलेखों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर एवं पारदर्शी तरीके से खाद उपलब्ध कराना प्राथमिकता है और वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

श्री बनोठ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संकर पद्धति के अंतर्गत किए जा रहे खाद एवं उर्वरक वितरण से संबंधित सभी पंजियों, पंजीकरण अभिलेखों तथा वितरण विवरण का सुव्यवस्थित, अद्यतन एवं पारदर्शी संधारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अभिलेखों का नियमित संधारण एवं सत्यापन व्यवस्था की पारदर्शिता बनाए रखने के साथ-साथ किसानों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में भी सहायक होगा। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी रखने तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश भी दिए।

जनता का विश्वास ही मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का मुख्य उद्देश्य

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा आमजन की समस्याओं का तत्काल निराकरण के लिए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का शुभारंभ 07 अगस्त से किया गया है। जनता का विश्वास ही मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का मुख्य उद्देश्य है। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत आयोजित शिविर में समस्याओं का तत्काल निराकरण कराया जा रहा है। यह बात पूर्व राज्यमंत्री एवं मुंगावली विधायक श्री बृजेंद्र सिंह यादव ने शुक्रवार को ग्वालियर संभाग के अशोकनगर जिले के अंतर्गत जनपद पंचायत मुंगावली की ग्राम पंचायत बीडसरकार में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कही। अवसर पर शिविर में आयुक्त ग्वालियर संभाग श्री मनोज खत्री, कलेक्टर श्री साकेत मालवीय, पुलिस अधीक्षक श्री राजीव कुमार मिश्रा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती विजयालक्ष्मी जैन सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिविर में मुंगावली विधायक श्री बृजेंद्र सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का शुभारंभ किया गया है। यह अभियान 08 जनवरी 2027 तक संचालित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का मतलब जनता का विश्वास है। शिविर में आमजन को ये विश्वास होना चाहिए कि हम शिविर में गए और वहां पर हमने आवेदन दिया और उसका मौके पर ही निराकरण किया गया।मुख्यमंत्री की मंशा है कि अभियान के माध्यम से आमजन की समस्याओं का शिविर के माध्यम से समाधान करना है।

संभागीय आयुक्त खत्री ने किया मॉडल स्कूल मुंगावली का निरीक्षण

ग्वालियर। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने शुक्रवार को संभाग के अशोकनगर जिले की जनपद पंचायत मुंगावली की ग्राम पंचायत बीडसरकार में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शिविर में भाग लिया। इसके बाद शासकीय मॉडल हायर सेकेन्ड्री स्कूल मुंगावली का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने छात्रवृत्ति, नामांकन, अपार आईडी, साइकिल ,प्रयोगशाला ,एवं अन्य शैक्षणिक योजनाओं की जानकारी ली। साथ ही विद्यार्थियों से संवाद कर शिक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मधु शर्मा , विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुंगावली, विद्यालय प्राचार्य सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

पीएम श्री शास.उ.उ.मा.वि. गोरमी में आयोजित हुआ जनसंवाद शिविर पात्र हितग्राहियों को त्वरित मिला योजनाओं का सीधा लाभ 150 प्रकरणों का मौके पर ही हुआ निराकरण

भिण्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत आज पीएम श्री शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय गोरमी में जनसंवाद शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाना, जन-शिकायतों का त्वरित निराकरण करना तथा शासन एवं नागरिकों के मध्य विश्वास को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

कलेक्टर ने शिविर के दौरान जनता की समस्या सुनकर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया। शिविर में उपस्थित नागरिकों के आवेदन प्राथमिकता के आधार पर स्वीकार कर लिए गए और कई मामलों का समाधान कर अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक भिण्ड, डीएफओ, सीईओ जिला पंचायत, एसडीएम मेहगांव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर भिण्ड ने पीएम श्री शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय गोरमी में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से प्राप्त आवेदनों तथा उनके निराकरण की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्देशित कर कहा कि शिविर के दौरान पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत लंबित सभी प्रकरणों के वितरण की कार्रवाई की जाए। छूटे हुए लोगों की समग्र ई-केवायसी करने, संबल योजना पंजीयन, अनुग्रह सहायता, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, खाद्यान्न पर्ची सहित अन्य आवेदनों का त्वरित निराकरण करते हुए हितग्राही को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा आमजन की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करना है।

पुतलीघर साईं मंदिर से पालकी यात्रा निकाली

भोपाल। पवित्र श्रावण मास के अवसर पर गुरुवार को पुतलीघर शिर्डी साईं धाम मंदिर में बाबा की चरण पादुका पूजन का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। पूजन के उपरांत बाबा की भव्य पालकी शोभायात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर आसपास के मार्गों से निकाली गई। शोभायात्रा में श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए और पूरे मार्ग में साईं राम तथा ÷साईंनाथ महाराज की जय÷ के जयघोष गूंजते रहे। बाबा की सुसज्जित पालकी पर पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था प्रकट की।

दादाजी धाम में 1100 रुद्री पाठ एवं विशेष रुद्राभिषेक से हुआ विश्व कल्याण का महाअनुष्ठान

भोपाल। दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर में श्रावण मास के पावन अवसर पर विश्व कल्याण, सुख-शांति, आरोग्य एवं लोकमंगल की मंगलकामना से रुद्री पाठ एवं विशेष रुद्राभिषेक हुआ। महाअनुष्ठान से पूर्व मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुों ने अत्यंत श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ भगवान शंकर के पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण तथा 1100 रुद्री की स्थापना सामूहिक रूप से की। दोपहर 1 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पंडित राजेन्द्र पलिया ने यजमान भवानी सिंह रघुवंशी, अजमेर सिंह एवं उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को विधि-विधान से पूजन एवं विशेष रुद्राभिषेक संपन्न कराया। इस दौरान भगवान शिव का संकल्प, जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, पंचामृत अभिषेक, बिल्वपत्र अर्पण तथा अन्य वैदिक पूजन-विधियाँ पूर्ण श्रद्धा के साथ संपन्न हुईं। दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव एवं ट्रस्टियों ने बताया कि श्रावण मास में भगवान अर्धनारीश्वर के स्वरूप की उपासना और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है। इस पवित्र मास में श्रद्धा, विश्वास और निष्काम भाव से किया गया रुद्राभिषेक भगवान शिव को अत्यंत प्रिय होता है।

किशोर दा का 97वां जन्म दिवस मनाया

भोपाल। रविन्द्र भवन भोपाल में किशोर कुमार फैन्स क्लब द्वारा किशोर दा का 97वां जन्म दिवस मनाया गया, जो बहुत ही शानदार/जानदार सुपर-डुपर सफल आयोजन और हॉउस फुल रहा। सभी संगीत प्रेमी/श्रोताये अंजनी सभागृह 6:15 पर ही फुल खचाखच भर गया। दोस्तों, KKFC 35ह्वप की 14 वर्षों की तपस्या और कड़ी मेहनत का फल है। बिना किसी सेलिब्रिटी सिंगर के और बिना किसी स्पेशल गेस्ट के । कुछ फोटो आपके साथ साझा कर रहा हूं जो इस कार्यक्रम की भव्यता और स्केल को प्रदर्शित करते हैं ।

भारतीय सिंधु सभा एवं सिंधी मेला समिति का प्रतिभा सम्मान समारोह 9 को

भोपाल। भारतीय सिंधु सभा एवं सिंधी मेला समिति द्वारा रविवार 09 अगस्त 2026 को भोपाल के रविंद्र भवन में सुबह 9 बजे से प्रांतीय प्रतिभा सम्मान का आयोजन किया जा रहा है, इस समारोह में सिंधी समाज के छात्र छात्राओ, प्रदेश स्तर पर शिक्षा, साहित्य, कला, खेल इत्यादि क्षेत्रों में सिंधी समाज का नाम रोशन करने वाली मध्यप्रदेश की 500 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

इस प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में धर्मेन्द्र सिंह लोधी (संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री म प्र) को आमंत्रित किया गया है, साथ ही समारोह की अध्यक्षता के लिए प्रदेश महामंत्री एवं विधायक भगवानदास सबनानी मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे।समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में शैक्षणिक सलाहकार एवं मनोवैज्ञानिक श्रीमति कला मोहन जी एवं राजगढ़ जिला के पुलिसअधीक्षक अमित तोलानी जी को विशेष रूप से इस प्रतिभा सम्मान समारोह में आमंत्रित किया गया है। भातीय सिन्धु सभा के प्रदेश अध्यक्ष गुलाब ठाकुर एवं महामंत्री महेश ठारवानी एवं सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी एवं महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया कि सिंधी मेला समिति एवं भारतीय सिंधु सभा के संयुक्त तत्वाधान में सिंधी समाज के बच्चो को आगे बढ़ाने एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश से इस प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है इस समारोह में शामिल होने के लिए इंदौर, जबलपुर, कटनी, रतलाम, इटारसी, होशंगाबाद, विदिशा सहित अन्य जिलों से लोग इस समारोह में शामिल होने के लिए राजधानी पहुँच रहे है। इस कार्यकम के संयोजक हरि रोहरा सह संयोजिका रितिका बालानी सह सयोजिका पूजा भाटिया को नियुक्त किया गया है। इस दौरान समारोह में टेलेंट शो का भी आयोजन किया गया है जिसमें प्रदेश के प्रतिभावान बच्चे अपनी अनूठी कला, संगीत और नृत्य का प्रदर्शन करके इस समारोह में चार चांद लगायेंगे।

संपादकीय

विकास की दौड़ पर पर्यावरण का ब्रेक, सुप्रीम कोर्ट ने बदल दिए खेल के नियम

दुनिया में जहां भी पर्यावरण संरक्षण के सवाल को हाशिये पर छोड़कर बेलगाम विकास को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति हावी हुई है, वहां इसके बहुस्तरीय खमियाजे सामने आए। औपचारिक तौर पर इस हकीकत को सभी देश स्वीकार करते हैं, लेकिन विकास कार्यों को समय की जरूरत बताकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में शायद ही कभी सरकारों ने हिचक दिखाई हो। एक ओर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अक्सर होने वाले सम्मेलनों में पर्यावरण पर चिंता जताई जाती है, उसे जीव-जगत के सुरक्षित जीवन का वाहक बताया जाता है, वहीं वैसी विकास परियोजनाओं को मंजूरी देने से लेकर उसे पूरा करने तक कई बार पर्यावरण के प्रति जताई जाने वाली चिंताओं को दरकिनार कर दिया जाता है। फिर बाद में जब इसके व्यापक नुकसान के तथ्य सामने आते हैं और उन पर सवाल उठते हैं, तब सिर्फ माफी मांगने की औपचारिकता पूरी कर दी जाती है। हालांकि सरकार के सिर्फ माफी मांग लेने से किसी परियोजना की वजह से पर्यावरण या स्थानीय पारिस्थितिकी को हुए नुकसान की भरपाई संभव नहीं हो पाती। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण के पहलू को ताक पर रखकर विकास परियोजनाओं को मंजूरी देने के सरकारी रवैये पर स्वाभाविक ही सवाल उठते हैं। इसी संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अपने एक अहम फैसले में कहा है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचा देने के बाद माफी मांगने की व्यवस्था गलत है और भविष्य में कोई भी कंपनी पहले इजाजत लिए बिना अपना काम शुरू नहीं कर पाएगी। जाहिर है, शीर्ष अदालत ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के सवाल पर संतुलन कायम करने की कोशिश की है। गौरतलब है कि वर्ष 2021 के एक सरकारी आदेश के तहत केंद्र सरकार को यह अधिकार दिया गया था कि वह किसी परियोजना का काम शुरू होने या उसके पूरा होने के बाद भी पर्यावरणीय मंजूरी दे सकती है। प्रथम दृष्टया ही इस व्यवस्था में पर्यावरणीय चिंताओं को खारिज करने की मंशा का पता चलता है, जिसमें इस बात का ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा गया कि अगर किसी परियोजना से स्थानीय पारिस्थितिकी को स्थायी या दीर्घकालिक क्षति पहुंचती है, तो उसका समाधान कैसे निकाला जाएगा। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश को रद्द कर दिया। हालांकि अदालत ने यह फैसला केवल भविष्य में लागू होने वाली परियोजनाओं के संदर्भ में दिया है। पहले मंजूरी पा चुकी परियोजनाएं इससे प्रभावित नहीं होंगी। इसलिए यह सवाल बना रहेगा कि पिछले करीब पांच वर्षों के दौरान पर्यावरण पर पड़ने वाले विपरीत असर के पहलू को दरकिनार करके जिन परियोजनाओं को पूरा होने दिया गया और बाद में पर्यावरणीय मंजूरी दी गई, उसके पीछे सरकार की क्या मंशा थी। इस मसले पर लंबे समय से बहस होती रही है कि दुनिया के आगे बढ़ने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए विकास निश्चित रूप से एक जरूरी कारक है, लेकिन अगर उसे पर्यावरण या पारिस्थितिकी के विनाश की कीमत पर संभव बनाया जाता है, तो वह विकास कितना सार्थक और स्थायी महत्त्व का साबित होगा। यह छिपा नहीं है कि दुनिया भर में जहां भी पर्यावरण के प्रति वास्तविक और जमीनी चिंताओं की उपेक्षा करके या फिर उन्हें दबाकर किसी परियोजना को पूरा किया गया, वहां आगे चलकर उसके कई स्तर पर खमियाजे उठाने पड़े। इसमें स्थानीय आबादी से लेकर पारिस्थितिकी को होने वाले नुकसान शामिल हैं, जिसकी भरपाई कई बार संभव नहीं हो पाती।

मप्र में कुशवाहा वोट बैंक की ताकत के आगे झुकी भाजपा, गुलाटी बयान के लिए तोमर को मांगनी पड़ी माफी

-नीरज कुमार दुबे

मध्य प्रदेश की राजनीति में दतिया विधानसभा उपचुनाव के नतीजे ने भारतीय जनता पार्टी को ऐसा राजनीतिक संदेश दिया है, जिसकी गूंज अब पूरे प्रदेश में सुनाई दे रही है। विधानसभा अध्यक्ष और भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र सिंह तोमर के एक विवादित बयान से शुरू हुआ विवाद आखिरकार सार्वजनिक माफी तक पहुंच गया। भाजपा की आंतरिक समीक्षा में यह संकेत मिलने के बाद कि कुशवाहा समाज की नाराजगी पार्टी की हार का बड़ा कारण बनी, तोमर ने स्वयं आगे आकर अपने शब्द वापस लिए और कहा कि उन्होंने कभी सपने में भी इस समाज का अपमान करने की नहीं सोचा।

पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब 31 जुलाई को मुरैना में भाजपा के जिला अध्यक्ष कमलेश कुशवाहा के निवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में नरेंद्र सिंह तोमर ने कुशवाहा समाज को संबोधित करते हुए कहा कि यह समाज बीच-बीच में गुलाटी खाता रहा और इसी कारण उसने अपनी विश्वसनीयता को खंडित किया। उन्होंने यह भी कहा कि एक समय ऐसा था जब कुशवाहा समाज भाजपा का मजबूत समर्थक माना जाता था और भाजपा ने उस दौर में भी समाज को सम्मान दिया, जब अन्य राजनीतिक दल उन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने की स्थिति में नहीं थे। उन्होंने पूर्व नेता कालीचरण कुशवाहा को टिकट दिए जाने का उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

हालांकि, कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही राजनीतिक भूचाल आ गया। कुशवाहा समाज के विभिन्न संगठनों और प्रतिनिधियों ने इस टिप्पणी को पूरे समाज की राजनीतिक निष्ठा पर सवाल बताकर तीखी आपत्ति जताई। कांग्रेस ने भी इसे तुरंत बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का अपमान बताते हुए कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को इस तरह की भाषा शोभा नहीं देती और उन्होंने नरेंद्र सिंह तोमर से सार्वजनिक माफी की मांग की।

इस बीच, दतिया विधानसभा उपचुनाव के परिणाम ने भाजपा की मुश्किलें और बढ़ा दीं। कांग्रेस उम्मीदवार कुंवर घनश्याम सिंह ने भाजपा प्रत्याशी आशीष तिवारी को 6,016 वोटों के अंतर से पराजित कर दिया। भाजपा की आंतरिक समीक्षा में यह बात सामने आई कि दतिया के लगभग 12 प्रतिशत मतदाता रहे कुशवाहा समाज का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस की ओर खिसक गया, जिसने चुनावी परिणाम को निर्णायक रूप से प्रभावित किया। इसके बाद भाजपा संगठन ने हार की व्यापक समीक्षा शुरू की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वरिष्ठ नेताओं और चुनाव प्रभारियों के साथ बैठक की, दतिया जिला इकाई को भंग किया गया, समीक्षा समितियां गठित की गईं और संगठनात्मक कमजोरियों के साथ-साथ संभावित अंदरूनी असंतोष की भी जांच शुरू हुई। इसी राजनीतिक आत्ममंथन के बीच नरेंद्र सिंह तोमर ने कुशवाहा समाज के नाम हस्ताक्षरित पत्र जारी कर अपने बयान पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि कमलेश कुशवाहा के घर आयोजित कार्यक्रम पारिवारिक वातावरण में था और उसी संदर्भ में बातचीत हुई थी। उन्होंने कहा कि उनका और कुशवाहा समाज का रिश्ता परस्पर पूरक है तथा उन्होंने जीवनभर इस समाज का सम्मान किया है और आगे भी करते रहेंगे। यदि उनके शब्दों से किसी की भावना आहत हुई है तो वह अपने शब्द वापस लेते हैं और इसके लिए खेद प्रकट करते हैं। उनका यह बयान भाजपा के भीतर बढ़ी राजनीतिक बेचैनी और सामाजिक समीकरणों को साधने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, यह पूरा घटनाक्रम केवल एक बयान और माफी तक सीमित नहीं है, बल्कि मध्य प्रदेश की बदलती सामाजिक-राजनीतिक राजनीति का संकेत भी देता है। राज्य की कुल आबादी में अन्य पिछड़ा वर्ग लगभग आधी हिस्सेदारी रखता है और कुशवाहा समाज इस वर्ग का एक प्रभावशाली हिस्सा माना जाता है। ग्वालियर-चंबल अंचल के मुरैना, दतिया, भिंड और ग्वालियर जैसे जिलों से लेकर बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र तक इस समाज की उल्लेखनीय उपस्थिति है। कई विधानसभा सीटों पर यह समाज जीत-हार तय करने की क्षमता रखता है। विशेष रूप से दतिया जैसी सीट पर, जहां कुशवाहा मतदाता लगभग 12 प्रतिशत हैं, किसी भी दल के लिए इस समाज की अनदेखी राजनीतिक जोखिम बन सकती है। यही कारण है कि भाजपा ने पिछले दो दशकों में ओबीसी सामाजिक समीकरणों के केंद्र में कुशवाहा समाज को महत्वपूर्ण स्थान दिया। दूसरी ओर कांग्रेस भी अब इस वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर तेजी से काम कर रही है। पार्टी ने सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा के नेतृत्व में बूथ स्तर तक व्यापक अभियान चलाया, जिसका असर दतिया उपचुनाव में दिखाई दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कुशवाहा समाज मध्य प्रदेश में केवल एक बड़ा वोट बैंक नहीं, बल्कि एक प्रभावी स्विंग फैक्टर भी है। यदि समाज को सम्मान, पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व और भागीदारी का संदेश मिलता है तो वह किसी भी दल के साथ मजबूती से खड़ा हो सकता है। लेकिन उपेक्षा या अपमान की भावना पैदा होने पर उसका रुख तेजी से बदलने की क्षमता भी रखता है। यही वजह है कि नरेंद्र सिंह तोमर के गुलाटी वाले बयान के बाद भाजपा को सार्वजनिक रूप से डैमेज कंट्रोल करना पड़ा। बहरहाल, दतिया उपचुनाव ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को स्पष्ट संकेत दे दिया है कि मध्य प्रदेश की आगामी राजनीतिक लड़ाई केवल नेताओं के भाषणों या चुनावी नारों से नहीं जीती जाएगी। सामाजिक सम्मान, प्रतिनिधित्व और ओबीसी वर्गों के साथ मजबूत संवाद आने वाले चुनावों की दिशा तय करेगा।

मिलावटखोरों के खिलाफ भी करना पड़ेगा देशव्यापी आंदोलन

-संतोष कुमार पाठक

संसद भवन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध लगातार जारी है और वहीं देश के तीन राज्यों की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों पर भी मीडिया में काफी चर्चा हो रही है। लेकिन इस बीच कई ऐसी खबरें भी लगातार निकल कर सामने आ रही है, जिसपर बड़े पैमाने पर चर्चा, वाद-संवाद और कार्रवाई की जरूरत है। लेकिन इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा कि देश के सभी लोगों के जीवन से जुड़े इतने महत्वपूर्ण मसले पर चर्चा करने का समय किसी के पास नहीं है। सत्ता में बैठने वाली किसी भी सरकार (चाहे वो किसी भी राजनीतिक दल की हो) के पास इसके समाधान का कोई स्थायी फॉर्मूला या विज़न नहीं है, विपक्ष के पास भी इस पर बात करने की फुर्सत नहीं है और सरकारी अधिकारी अपने में ही मस्त है।

मिलावटखोरी की समस्या अब हमारे देश की सबसे बड़ी भयावह समस्या बनती जा रही है, जिस पर रोक लगाने के लिए अब बड़े स्तर पर कदम उठाए बिना कोई बात नहीं बनेगी। देश में कानून भी है, नियम भी है, निगरानी के लिए विभाग भी है और अधिकारी भी है लेकिन फिर भी ऐसा लगता है कि मिलावटखोरों को किसी भी बात का कोई डर ही नहीं है।

हाल ही में देश के एक बड़े अखबार ने इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में जो दावा किया है, उसने सबकी नींदे उड़ा दी है। इस रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि उत्तर प्रदेश की कई आटा मिलों में गेंहू के आटे में सफेद पत्थर का चूरा यानी स्टोन पाउडर मिलाया जा रहा है। मुनाफाखोरी के लालच में ये मिलावटखोर हमें पत्थर वाले आटे से बनी रोटी खाने को मजबूर कर रहे हैं। जबकि ये भी जानते हैं कि इस मिलावटी आटे से बनी रोटी को खाने से लोगों के शरीर पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ेंगे।

आजकल लोगों के घरों से लेकर, फ़ास्ट फूड, शादी-ब्याह और पार्टियों तक में सबसे ज्यादा पनीर का इस्तेमाल किया जाता है। कई एक्सपर्ट/ जिम ट्रेनर तो बॉडी को मजबूत बनाने के लिए भी पनीर खाने की सलाह देते हैं। लेकिन पनीर में मैदा या अरारोट मिलाना और स्किम्ड मिल्क पाउडर एवं वनस्पति तेल का इस्तेमाल कर सिंथेटिक या नकली पनीर बनाना तो आम बात हो गई है। बल्कि ऐसे गंभीर मामले भी कई बार सामने आए हैं, कि डिटर्जेंट या यूरिया से बने दूध का भी इस्तेमाल कर पनीर बनाया और बेचा जाता है। महाराष्ट्र सरकार ने कुछ दिन पहले ही, राज्य में एनालॉग पनीर यानी नॉन डेयरी पनीर के निर्माण, बिक्री, भंडारण, परिवहन और वितरण पर यह कहते हुए प्रतिबंध लगा दिया कि असली पनीर बताकर इसे बेचना उपभोक्ताओं को गुमराह करना है। महाराष्ट्र सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य का हवाला देते हुए अपने आदेश में सख्त शब्दों में कहा कि नियम तोड़ने वालों पर खाद्य सुरक्षा कानून के तहत कड़ी कार्रवाई होगी। अपराध की गंभीरता के आधार पर 6 महीने तक की जेल और एक लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इससे पहले छत्तीसगढ़ सरकार भी एनालॉग पनीर यानी नॉन डेयरी पनीर को लेकर ऐसा ही फैसला कर चुकी है। सबसे अधिक दु:खद और परेशानी में डालने वाला तथ्य तो यह है कि देश की नामी-गिरामी कंपनियां भी उपभोक्ताओं को धोखा देने का कोई मौका नहीं चूकती है। रोजमर्रा की जरूरत का कई सामान बेचने वाली एफएमसीजी कंपनी डाबर को लेकर भी चौंकाने वाली ख़बर सामने आई है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने डाबर द्वारा किए जा रहे 100 प्रतिशत प्योर, 100 प्रतिशत ऑर्गेनिक और 100 प्रतिशत नेचुरल जैसे दावों को भ्रामक बताते हुए ऐसे प्रोडक्ट्स की बिक्री को तुरंत रोकने का आदेश दे दिया है। इन प्रोडक्ट्स में शहद, गाय का देसी घी, तिल का तेल और नारियल पानी जैसी कई चीजें शामिल हैं। डाबर को 15 दिनों के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट भी जमा करने को कहा गया है।इतिहास इससे पहले भी कई नामी-गिरामी और बड़ी कंपनियों के प्रोडक्ट्स पर गंभीर सवाल उठ चुके हैं। सबसे बड़ी विडंबना तो यह है कि यही कंपनियां जब विदेश खासकर अमेरिका या यूरोपीय देशों में कोई सामान बेचती है तो उसकी क्वालिटी का खास ध्यान रखती है लेकिन भारतीयों के लिए इनका एटीट्यूड सब चलता है टाइप ही होता है।

अब शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते?

जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ़्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ़स्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं। ऑनलाइन बातचीत का तेज़ नेचर, जहाँ छोटे मैसेज और थोड़ी देर का कंटेंट ज़्यादा होता है, लगातार ध्यान और गहरी बातचीत के लिए कम टॉलरेंस में भी योगदान दे सकता है, जिससे बेसब्री का कल्चर बढ़ता है। उदाहरण के लिए, मैसेजिंग ऐप पर तुरंत जवाब की उम्मीद या सोशल मीडिया फ़ीड पर तेज़ी से स्क्रॉल करने से लोग तुरंत संतुष्टि की उम्मीद करने लगते हैं, जिससे असल दुनिया की बातचीत की धीमी रफ़्तार मुश्किल लगने लगती है। नई चीज़ों और तेज़ी से जानकारी के इस लगातार संपर्क से बोरियत की क्षमता भी कम हो सकती है, एक ऐसी स्थिति जो अक्सर सोचने और क्रिएटिव प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स के विकास को बढ़ावा देती है। जब डिजिटल ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से बोरियत तुरंत दूर हो जाती है, तो सब्र और सेल्फ-रेगुलेशन विकसित करने के मौके कम हो जाते हैं।

-प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय।

आज के एक-दूसरे पर निर्भर समाज में युवाओं, खासकर जेनरेशन जेड (जेन ज़ी) का व्यवहार समाज के लिए बहुत चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्हें अक्सर बेसब्री, बिना सोचे-समझे सोचने की आदत और कुछ मामलों में, बुरे बर्ताव वाला माना जाता है। यह सोच, हालांकि आम हो सकती है, और हर व्यक्ति में अलग-अलग भी हो सकती है। लेकिन यह इसके अंदरूनी कारणों और समाज की संभावित प्रतिक्रियाओं की एक ज़रूरी जांच को बढ़ावा देती है। इन उभरते हुए पैटर्न को समझने के लिए एक बहुआयामी नज़रिए की ज़रूरत है, जिसमें टेक्नोलॉजी में तरक्की, पढ़ाई के बदलते तरीकों, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव और बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल के गहरे असर को माना जाए। यह आवश्यक है कि जेन ज़ी में इन आदतों के पीछे के संभावित कारणों पर गहराई से चर्चा हो, जिसमें डिजिटल इमर्शन, तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का असर, जानकारी लेने का बदलता तरीका और उनके विकास को आकार देने वाले बदलते सामाजिक ढाँचों पर विचार किया जाए। तदनुसार, समाज ऐसे सुधार करें जिनसे इस पीढ़ी में ज़्यादा सब्र रखने, ज़्यादा तार्किक सोच विकसित करने और सम्मानजनक बातचीत को बढ़ावा मिलें।

जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ़्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ़स्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं। ऑनलाइन बातचीत का तेज़ नेचर, जहाँ छोटे मैसेज और थोड़ी देर का कंटेंट ज़्यादा होता है, लगातार ध्यान और गहरी बातचीत के लिए कम टॉलरेंस में भी योगदान दे सकता है, जिससे बेसब्री का कल्चर बढ़ता है। उदाहरण के लिए, मैसेजिंग ऐप पर तुरंत जवाब की उम्मीद या सोशल मीडिया फ़ीड पर तेज़ी से स्क्रॉल करने से लोग तुरंत संतुष्टि की उम्मीद करने लगते हैं, जिससे असल दुनिया की बातचीत की धीमी रफ़्तार मुश्किल लगने लगती है। नई चीज़ों और तेज़ी से जानकारी के इस लगातार संपर्क से बोरियत की क्षमता भी कम हो सकती है, एक ऐसी स्थिति जो अक्सर सोचने और क्रिएटिव प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स के विकास को बढ़ावा देती है।

जब डिजिटल ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से बोरियत तुरंत दूर हो जाती है, तो सब्र और सेल्फ-रेगुलेशन विकसित करने के मौके कम हो जाते हैं।

डिजिटल युग ने जानकारी को डेमोक्रेटाइज़ कर दिया है, जिससे यह पहले से कहीं ज़्यादा आसानी से मिलने वाली हो गई है। लेकिन, इस एक्सेसिबिलिटी के साथ एक बड़ी चुनौती आती है- उपलब्ध जानकारी की बहुत ज़्यादा मात्रा और अक्सर अनवेरिफाइड नेचर। जेन ज़ी, जो इस बहुतायत के साथ बड़ा हुआ है, अक्सर शॉर्ट-फॉर्म कंटेंट, सोशल मीडिया फीड्स और वायरल ट्रेंड्स के ज़रिए जानकारी लेता है। इस्तेमाल का यह तरीका क्रिटिकल इवैल्यूएशन और लॉजिकल एनालिसिस के बजाय इमोशनल रेजोनेंस और तुरंत एंगेजमेंट को प्रायोरिटी दे सकता है। कई डिजिटल प्लेटफॉर्म को कंट्रोल करने वाले एल्गोरिदम यूज़र्स को एंगेज रखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, अक्सर ऐसा कंटेंट दिखाकर जो उनके मौजूदा बायस से मेल खाता है या मज़बूत इमोशनल रिस्पॉन्स को उकसाता है। इससे इको चैंबर बन सकते हैं, जहाँ लोग मुख्य रूप से उन नज़रियों के संपर्क में आते हैं जो उनके अपने नज़रियों को कन्फर्म करती हैं, जिससे अलग-अलग नज़रियों से जुड़ने और बारीक समझ डेवलप करने की उनकी क्षमता में रुकावट आती है। नतीजतन, भरोसेमंद सोर्स और गलत जानकारी के बीच अंतर करना एक मुश्किल काम बन जाता है। फेक न्यूज़ और सेंसेशनलाइज्ड कंटेंट के फैलने से युवाओं के लिए मज़बूत क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स डेवलप करना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा, कम जानकारी के आधार पर जल्दी से राय बनाने का दबाव, जो अक्सर ऑनलाइन बहस और तेज़ी से की जाने वाली कमेंट्री से और बढ़ जाता है, बेतुके तर्कों को अपनाने या बिना सबूत वाले दावों को मानने की ओर ले जा सकता है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कॉन्सपिरेसी थ्योरी की लोकप्रियता, जिनमें अक्सर अनुभव के सबूत नहीं होते लेकिन वे भावनात्मक रूप से मज़बूत होती हैं, यह दिखाती है कि बिना वेरिफ़ाई की गई जानकारी कैसे लोगों का ध्यान खींच सकती है और तर्क पर असर डाल सकती है। उन्हें कैसे जांचा जाए, इस बारे में पूरी गाइडेंस के बिना विभिन्न नज़रिया के लगातार संपर्क में रहने से कन्फ्यूजन हो सकता है और सिस्टमैटिक, लॉजिकल तरीकों के बजाय ह्यूरिस्टिक्स या भावनात्मक अपील पर भरोसा हो सकता है। मैनर्स की परिभाषा खुद एक जैसी नहीं है; यह सोशल नॉर्म्स और टेक्नोलॉजी में बदलाव के साथ बदलती रहती है। जेन ज़ी की बातचीत काफी हद तक डिजिटल कम्युनिकेशन पर निर्भर करती है। टेक्स्टिंग, डायरेक्ट मैसेजिंग और ऑनलाइन कमेंट्स में अक्सर बिना बोले इशारे, आवाज़ का टोन और सोशल कॉन्टेक्स्ट की कमी होती है जो आमने-सामने की बातचीत के लिए ज़रूरी हैं।

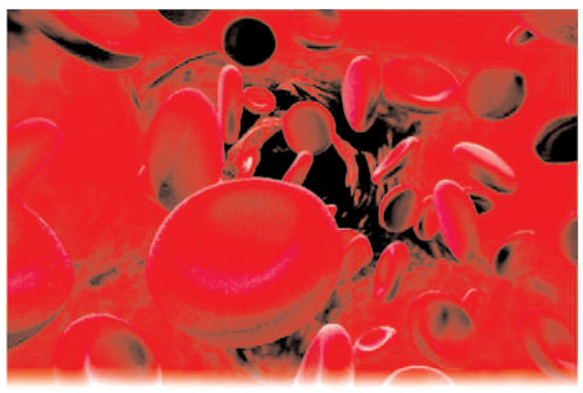

प्लेटलेट्स कैसे बढ़ाएं, खून की कमी है तो आजमाएं 5 उपाय

एक स्वस्थ शरीर की निशानी है शरीर में प्लेटलेट्स की सही मात्रा होना एवं उनका सही तरीके से काम करना। लेकिन प्लेटलेट्स की कमी होने का नुकसान आपके शरीर एवं स्वास्थ्य को भुगतना पड़ता है। अपने खानपान के माध्यम से आप आसानी से प्लेटलेट्स की संख्या में इजाफा कर सकते हैं।

- प्रोटीन, विटामिन ए, सी, के, फोलेट, जिंक, फोलिक एसिड, सेलेनियम आदि पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेना, प्लेटलेट्स में वृद्धि करने में कारगर उपाय साबित होगा।
- अपनी डाइट में दही, आंवला, लहसुन, ग्रीन टी के साथ ही नारियल पानी और अनार, पपीता, सेब, चुकंदर जैसे फलों को भी शामिल करें साथ ही पपीते के पत्तों का रस पीना भी एक लाभप्रद उपाय है।
- रोजाना एलोवेरा का सेवन भी इसके लिए फायदेमंद है। 20 से 25 ग्राम की मात्रा में प्रतिदिन एलोवेरा का गुदा खाएं या फिर इसका जूस बनाकर पिएं।
- व्हीटग्रास यानि ज्वारों का उपयोग भी प्लेटलेट्स को बढ़ाने में काफी मददगार है। रोजाना सुबह खाली पेट ज्वारे का रस निकालकर पीने से धीरे-धरे प्लेटलेट्स की संख्या में इजॉफा होगा।
- गिलोय का प्रयोग भी इसके लिए एक रामबाण उपाय है। गिलोय को तुलसी के साथ मिलाकर दोनों को अच्छी तरह उबालें और काढ़ा तैयार करें। इस काढ़े का रोजाना प्रयोग लाभदायक होगा।

आम तौर पर खून की कमी को एनीमिया के रूप में देखा जाता है। आयरन की कमी होना भी इसका एक प्रमुख कारण है। छोटे बच्चों, महिला खिलाड़ियों, सर्जरी या एक्सीडेंट के मरीजों में एनीमिया का खतरा अधिक होता है। वहीं महिलाओं में माहवारी के दौरान होने वाले रक्तस्त्राव एवं गर्भावस्था के कारण यह समस्या हो सकती है।

रक्ताल्पता से बचने के 5 आसान टिप्स

- एनीमिया की समस्या से बचने के लिए, रेड मीट, सी-फूड और अंडा फायदेमंद होता है। लेकिन अगर आप शाकाहारी हैं, तो सोयाबीन, मटर, सूखे मेवे और एप्रिकॉट आपके लिए बेहतर विकल्प है।
- ताजी हरी सब्जियों के साथ मक्का और अलग-अलग तरह की दालों को अपने भोजन में शामिल करें। इससे शरीर में आयरन की कमी नहीं होगी, जो एनीमिया का प्रमुख कारण है।
- नाश्ते और खाने में फलों को शामिल करें। इनमें मौजूद विटामिन-सी, शरीर में आयरन को सोखने में एवं उसकी क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है।
- चाय या कॉफी को ज्यादा कड़क करके न पिएं, इससे शरीर को आयरन को सोखने में कठिनाई होती है ।
- बगैर डॉक्टर की सलाह के, आयरन की गोलियों का सेवन बिल्कुल न करें। खून की जांच और डॉक्टर की सलाह लेने के बाद ही इनका सेवन करें, क्योंकि शरीर में आयरन की अधिकता आपके लिए मुसीबत बन सकता है।

टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज में क्या है अंतर? जानें लक्षण और बचाव

खराब लाइफस्टाइल और वर्कआउट की कमी की वजह से आज अधिकतर लोग डायबिटीज की चपेट में हैं। डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है, जिस पर अगर समय रहते कंट्रोल ना किया जाए, तो यह कई अन्य हेल्थ प्रॉब्लम्स जैसे हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट , किडनी रोग, स्ट्रोक, आंखों में समस्याएं, पैरों में अल्सर आदि जैसे रोगों के होने का खतरा बढ़ा देती है।

क्या है डायबिटीज

दरअसल, इंसुलिन शरीर में बनने वाला एक ऐसा हॉर्मोन है जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है। यह हमारे शरीर में पैंक्रियाज नामक एक ग्लैंड में बनता है। इसके असर से ब्लड में मौजूद शुगर हमारे शरीर के सेल्स में स्टोर होती है। डायबिटीज से पीड़ित व्यक्ति के शरीर में या तो इंसुलिन बनता ही नहीं है या फिर बॉडी के सेल्स इंसुलिन के प्रति संवेदनशील नहीं रह जाते है और शुगर उनमें स्टोर न होकर ब्लड में मौजूद रहती है।

दो तरह की होती है डायबिटीज

डायबिटीज दो तरह की होती है-टाइप-1 और टाइप-2। इसमें टाइप-1 डायबिटीज वह होती है जो व्यक्ति को अनुवांशिक तौर पर होती है। मतलब जब किसी के परिवार में उसके मम्मी-पापा, दादी-दादा में से किसी को शुगर की बीमारी रही हो तो ऐसे व्यक्ति में इस बीमारी की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। जबकि कुछ लोगों में गलत लाइफस्टाइल और खान-पान की गलत आदतों की वजह से यह बीमारी घर कर जाती है। इस स्थिति को टाइप-2 डायबिटीज कहा जाता है। डायबिटीज टाइप-1 की समस्या किसी बच्चे में जन्म से भी देखने को मिल सकती है। इस स्थिति में शरीर के अंदर इंसुलिन बिल्कुल नहीं बनता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि वंशानुगत कारणों से पैंक्रियाज में इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। यह एक ऑटोइम्यून डिसऑर्डर है।

टाइप 1 डायबिटीज के लक्षण

- बार-बार पेशाब आना
- रोगी को को बहुत प्यास लगना
- रोगी कमजोरी महसूस करने लगता है
- दिल की धड़कन का बढ़ जाना
- चोट लगने पर घाव भरने में ज्यादा समय लगना
- हाथों में झुनझुनी, कंपकंपी जैसी समस्याएं

टाइप 2 डायबिटीज के लक्षण

- थकान ट कम दिखना
- सिर दर्द जैसी समस्या
- चोट या घाव लगने पर वह जल्दी ठीक नहीं होता
- आंखों की रोशनी प्रभावित

किसे टाइप-2 डायबिटीज का सबसे ज्यादा खतरा

- 45 साल की उम्र के बाद टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।
- जिन परिवारों में डायबिटीज अनुवांशिक है, उसके सदस्य विशेषतौर पर सावधान रहें।
- मोटापे के शिकार लोगों पर टाइप-2 डायबिटीज सबसे पहले हमला करती है।
- जन लोगों में हाई ब्लड प्रेशर, लॉ एचडीएल या हाई कॉलेस्ट्रॉल होता है, उनमें टाइप-2 डायबिटीज का खतरा रहता है।

डायबिटीज से बचाव के उपाय

डायबिटीज की शुरुआती अवस्था में लाइफस्टाइल में थोड़े बहुत बदलाव करके इसे कंट्रोल किया जा सकता है। लेकिन ज्यादा समस्या होने पर इसके रोकथाम के लिए व्यक्ति को इंसुलिन दिया जाता है। इंसुलिन द्वारा पहुंचाई गई शुगर से ही कोशिकाओं को ऊर्जा मिलती है।

मानसून की मस्ती के बीच जरूर याद रखें ये बातें

बारिश के दिनों में बीमारियों का सबसे ज्यादा खतरा रहता है इसलिए आपको कुछ ऐसे टिप्स अपनाने चाहिए जिससे कि आप बीमारियों से बचते हुए सेफ रह सकें। आइए, जानते हैं कैसे रखें मानसून में अपना ख्याल

डाइट का खास ख्याल रखें

इस समय ठंडी चीजें जैसे आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक, खट्टी-मसालेदार, तली हुई चीजें न खाएं। इस मौसम में हेल्दी डाइट लेना बहुत जरूरी है। हरी पत्तेदार सब्जियां, घर का बना खाना, सूप, फाइबर युक्त आहार और फ्रूट खाने से आप हेल्दी रहेंगे।

पानी पीते रहें

सर्दी हो या गर्मी शरीर में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए। गुनगुने पानी का सेवन पाचन क्रिया को भी दुरुस्त रखता है। खाना खाने के एक घंटा पहले और खाना खाने के आधे घंटे बाद ही पानी पीएं। ठंडा पानी पीने से गला ज्यादा खराब हो सकता है।

हरी साग-सब्जियां जरूर खाएं

सब्जियों के साथ-साथ अपने आहार में कुछ जरूरी हर्ब भी शामिल करें। इससे शरीर को ऊर्जा मिलेगी और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होगी। आंवला, ब्राह्मी, तुलसी, एलोवीरा, अदरक, इलायची, अजवाइन, सौंफ आदि भी सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

बच्चों का रखें खास ख्याल

छोटे बच्चे मौसम में बदलाव आने के कारण बीमारी के चपेट में बहुत जल्दी आ जाते हैं। इनका खास ख्याल रखने की बहुत जरूरत होती है। कई बार तो इससे बच्चों को डायरिया होने की आशंका रहती है। ऐसे में उन्हें अच्छी डाइट दें। बाजार की बनी चीजें न खिलाएं। समय-समय पर उन्हें लिक्विड दें ,ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

तापमान में तुरंत बदलाव का ध्यान रखें

दिन में मौसम जिस तरह से कभी धूप, कभी बादल बारिश वाला हो रहा है उसे हल्केम में नहीं लेना चाहिए। इस तरह टेम्पौरेचर फ्लक्चुएशन से तबियत बिगड़ सकती है। बाहर से आकर एकदम पानी न पिएं या कपड़े न बदलें। चिलचिलाती धूप से एकदम से एसी में प्रवेश न करें। अपने आस-पास सफाई रखें, धूल-मिट्टी और गंदगी के कारण एलर्जी होने का डर रहता है।

पोस्ट कोविड थकान से रोगियों को उबरने के लिए क्या सेवन करें

हमारा देश कोविड-19 महामारी से जूझ रहा है। हालांकि इस बीच इस संक्रमण से अधिक संख्या में लोग ठीक भी हो रहे हैं। कोविड से उबरने के बाद लोगों में थकान एक आम समस्या देखी जा रही है। ऐसे में कुछ खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल कर अपनी ऊर्जा को पुनः प्राप्त कर सकते हैं। पोस्ट कोविड रोगियों को अपने भोजन में हाई प्रोटीन वाले फूड को अवश्य शामिल करना चाहिए जैसे बीन, टोफू, पनीर, अंडे, दही, दाल मूंगफली, नट सीट्स स्प्राउटेड ऐसे पदार्थ आपको तुरंत एनर्जी देंगे। इनमें से अधिकांश मैग्नीशियम में समृद्ध है।जो ऊर्जा के स्तर को बहाल करने में मदद करते हैं। प्रोटीन युक्त आहार आपकी मांसपेशियों को कम होने से बचाएगा और साथ ही रेस्पिरेट्री मसल्स को मजबूत भी करेगा। डॉक्टर वशिष्ठ ने बताया कि इसके अतिरिक्त इसमें मौजूद जरूरी अमीनो एसिड आपको हानिकारक रोगाणुओं से बचाते हैं इसके साथ-साथ माइक्रोन्यूट्रिएंट्स भी आपके लिए बहुत जरूरी है यह फल और रंग बिरंगी सब्जियों में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। जैसे सेब, खजूर पपीता, केला, कीवी, लौकी, पत्तेदार साग आदि।इसके साथ ही पांच ऐसे आहार हैं जिससे इम्यूनिटी बढ़ती है तथा साथ ही साथ कोविड-19 की थकान से उबरने में बहुत मदद मिलती है।

भीगे बादाम और किशमिश

कोविड-19 की थकान से बचने के लिए भीगे बादाम और किशमिश खाकर अपने दिन की शुरुआत करें। बादाम में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन होता है और किशमिश शरीर को अच्छा आयरन प्रदान करती है। इसलिए नियमित भीगे बादाम और किशमिश का सेवन फायदेमंद है।

रागी दोसा और दलिया

उन्होंने कहा कि थकान को दूर करने के लिए रागी दोसा या एक कटोरी दलिया खाना सबसे बेहतर विकल्प है। यह सुबह के लिए एक अच्छा आहार है। इससे शरीर को एनर्जी मिलती है और थकान महसूस नहीं होती है।

गुड़ और घी

लंच के दौरान या बाद में गुड़ और घी का सेवन करना फायदेमंद है। पोषक तत्वों से भरपूर इस कॉन्बिनेशन को आप रोटी के साथ भी खा सकते हैं। यह तेजी से रिकवर होने में मदद करते हैं। गुड और घी दोनों ही शरीर को गर्म और मजबूत रखने में मदद करते हैं।

रात में खाएं खिचड़ी

उन्होंने बताया कि कोरोना से उबरने के बाद रात का खाना अधिक भारी नहीं लेना चाहिए। डिनर में खिचड़ी खाना एक बेहतर विकल्प है। खिचड़ी में सभी तरह के जरूरी पोषक तत्व होते हैं और यह पेट के लिए हल्की होती है। कई सारे फायदों के अलावा खिचड़ी खाने से अच्छी नींद आती है। इसमें हम स्वाद अनुसार हरी सब्जियां भी मिलाकर बना सकते हैं।

पर्याप्त पानी पिएं

डॉक्टर वशिष्ठ ने जोर देकर कहा कि शरीर को अच्छी तरह हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। पर्याप्त पानी पीने के अलावा घर पर बने लाइम जूस और बटर मिल्क का नियमित सेवन करें। इससे आप तरोताजा महसूस करेंगे और शरीर में जमा विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाएगा।

काली मिर्च को न सिर्फ इम्युनिटी बूस्टर माना जाता है बल्कि इसे इंफेक्शन से बचाव के लिए भी कारगर माना जाता है। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल आता है कि क्या वाकई काली मिर्च कोरोना से बचाव में कारगर है?

खांसी, जुकाम को ठीक करने के साथ इम्यूनिटी स्ट्रॉन्ग बनाती है काली मिर्च

कोरोना से बचाव के लिए पूरे देश में वैक्सीनेशन हो रही है। ऐसे में एक उम्मीद बंधी है कि देश जल्दी ही इस समस्या से मुक्ति पा लेगा लेकिन वैक्सीनेशन के बाद भी कुछ बातों की सावधानी रखना बेहद जरूरी है। जिनमें सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों के साथ अपनी इम्युनिटी बूस्ट करने के उपाय शामिल है। कोरोना के इंफेक्शन से बचाव के लिए कई घरेलू नुस्खे भी आजमाए गए।

सर्दी, खांसी और जुकाम में कारगर

सर्दी, खांसी और जुकाम से पीड़ित लोगों को ही लिए काली मिर्च एक बेहतरीन औषधि के रूप में कार्य कर सकती है। आयुर्वेद में भी इसके सेवन से सर्दी और जुकाम की समस्याओं को ठीक करने की बात कही गई है। इसलिए जो लोगों को सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या है उन्हें शहद के साथ काली मिर्च के पाउडर को खाना चाहिए। यह प्रभावी रूप से इन समस्याओं को दूर करने के लिए अपना असर दिखा सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है

कोरोना वायरस महामारी से बचने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना कितना जरूरी है, यह बात तो आप सभी लोग जान चुके हैं। यही वजह है कि अस्पताल में मरीजों को दिए जाने वाले काढ़े को तैयार करने में भी काली मिर्च का प्रयोग किया जा रहा है। यह कोरोना वायरस के लक्षणों को ठीक करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में काफी प्रभावी माना जा रहा है। आप चाहें, तो इसे गर्म पानी में उबालकर भी ड्रिंक के रूप में पी सकते हैं।

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में कारगर

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने का सबसे ज्यादा फायदा डायबिटीज के खतरे को कम करने के लिए मिलता है। डायबिटीज की चपेट में आने के कारण हर साल हजारों लोगों की मौत हो जाती है। वहीं, काली मिर्च का सेवन अगर नियमित रूप से किया जाए तो यह ब्लड शुगर लेवल को संतुलित बनाए रखकर डायबिटीज के खतरे को काफी हद तक कम कर देती है।

डायबिटीज के मरीजों को जरूर करना चाहिए मेरूवक्रासन

बदलती जीवनशैली में शरीर को फिट रखना किसी चुनौती से कम नहीं है खासकर डायबिटीज के मरीजों को अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए कई जतन करने पड़ते हैं। डायबिटीज के मरीजों को कोरोना का सबसे ज्यादा खतरा है। ऐसे में हम आपको ऐसे उपाय बता रहे हैं, जो न सिर्फ बीमारी से बचाएंगे बल्कि फिट रखने में भी मदद करेंगे। सूर्य नमस्कार के कुछ चक्रों का नियमित अभ्यास करने पर इस समस्या को अपने से दूर रखा जा सकता है। इसके साथ ही वे लोग, जो इस रोग से एक-दो साल पहले ही ग्रस्त हुए हैं, वे भी योग्य मार्गदर्शन में सूर्य नमस्कार के नियमित अभ्यास से रोग को पूर्णतया दूर कर सकते हैं। किन्तु गंभीर रोगी को अन्य आसनों का भी अभ्यास करना चाहिए। इनमें पवनमुक्तासन, जानुशिरासन, उष्ट्रासन, सुप्त वज्रासन, मेरूवक्रासन, अर्धमत्स्येन्द्रासन तथा हलासन प्रमुख हैं।

मेरूवक्रासन की अभ्यास विधि

दोनों पैरों को सामने की ओर सीधा फैला कर बैठ जाएं। पैरों को आपस में जुड़ा रखें। दाएं पैर को घुटने से मोड़ कर इसके पंजे को बाएं पैर के घुटने के बायीं ओर रखें। बाएं हाथ की कुहनी को दाएं पैर के घुटने के पास रखते हुए इसके पंजे को स्पर्श करने का प्रयास करें। दाएं हाथ को पीठ के पीछे रखते हुए धड़ को दायीं ओर यथासंभव मोड़ने का प्रयास करें। इस स्थिति में आरामदायक अवधि तक रुकें। इसके बाद वापस पूर्व स्थिति में आएं। यही क्रिया दूसरी तरफ भी करें।

प्राणायाम

मधुमेह जैसी बीमारी को दूर करने के लिए प्राणायाम की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस के लिए कपालभाति, अग्निसार, बंध तथा नाड़ी शोधन प्राणायाम का अभ्यास बहुत महत्वपूर्ण है।

अग्निसार की अभ्यास विधि

ध्यान के किसी भी आसन, पद्मासन, सिद्धासन या सुखासन पर रीढ़, गला व सिर को सीधा कर बैठ जाएं। ज्यादा बेहतर पद्मासन होता है। एक गहरी श्वास अंदर लेकर पूरी श्वास मुंह के द्वारा बाहर निकालें। अब श्वास को बाहर रोक कर दोनों हाथों को घुटनों पर सीधा रख कर पेट को जल्दी-जल्दी अंदर-बाहर करें। जब तक श्वास को सहजता से रोक सकते हैं, तब तक पेट को अंदर बाहर करते रहें। किसी भी प्रकार की असहजता होने के पहले ही पेट को सामान्य करें और फिर हाथ को सामान्य रखते हुए श्वास को अंदर लेकर सहज करें। इसकी तीन-चार आवृत्तियों का अभ्यास करें।

इन पर भी ध्यान दें

कार्बोहाइड्रेट, स्टार्च तथा वसायुक्त आहार कम लेना चाहिए। चोकर वाली रोटी, दही, सब्जियां, सलाद का सेवन प्रतिदिन करें। भोजन नियमित समय पर लें। भूख से अधिक भोजन नहीं करें। बार-बार भोजन करना भी ठीक नहीं होता।

छः घंटे तक हुई झमाझम बारिश

नदी-नाले तमतमाएं, शहर के कई सड़के हुई जलमग्न, नालियां भी उफान पर, सड़को पर फैला कचरा

सिंगरौली

सावन माह की पहली मूसलाधार बारिश ने बुधवार को नगर निगम की जलनिकासी व्यवस्था की हकीकत उजागर कर दी। करीब छः घंटे तक हुई तेज बारिश के बाद शहर के कई प्रमुख मार्ग, बाजार और रिहायशी कॉलोनियां जलमग्न हो गईं। नालियों का गंदा पानी और कचरा सड़को पर बहने लगा। जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर सड़क और नाली का अंतर तक खत्म हो गया। जिससे वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को जोखिम उठाकर निकलना पड़ा।

बारिश के दौरान शहर के बिलौंजी कॉन्वेंट स्कूल मार्ग , बस स्टैंड क्षेत्र, इंदिरा चौक, कचनी, तेलाई रोड, माजनमोड़ रेलवे ब्रिज, एसपी कार्यालय, नौगढ़, मॉडल रोड सहित कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। नालियां उफान पर आ गईं और उनमें जमा प्लास्टिक, पॉलीथिन व अन्य कचरा सड़को पर फैल गया। कई कॉलोनियों में बारिश का पानी लोगों के घरों के आंगन तक पहुंच गया। जिससे घरेलू सामान भीग गया और लोगों को घंटों पानी निकालने में मशक्कत करनी पड़ी।

शहर के मुख्य मार्गों पर पानी भरने से यातायात भी प्रभावित रहा। दोपहिया वाहन चालक कई स्थानों भय में होकर गुजरे। जबकि चार पहिया वाहनों की रफ्तार भी धीमी पड़ गई। स्कूल और कार्यालय से लौट रहे लोगों को बारिश के साथ जलभराव की दोहरी समस्या झेलनी पड़ी।

जलभराव के कारण मच्छर पनपने की आशंका

बारिश के बाद जगह-जगह फैले कचरे और गंदे पानी से दुर्गंध भी फैलने लगी। जलभराव के कारण मच्छरों के पनपने की आशंका बढ़ गई है। जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम से तत्काल जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने, नालियों की विशेष सफाई कराने तथा जलभराव वाले स्थायी स्थानों पर ठोस समाधान निकालने की मांग की है। शहर में जलभराव की समस्या क्यों विकराल रूप ले लेती है। यदि समय रहते नालियों की समुचित सफाई और जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं की जाती है। जिससे शहरवासियों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं।

वार्ड 13 बैगा बस्ती के स्कूल में घुसा बारिश का पानी

सावन की पहली तेज बारिश का सबसे अधिक असर वार्ड क्रमांक 13 स्थित बैगा बस्ती के शासकीय स्कूल में देखने को मिला। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी स्कूल परिसर और कक्षाओं तक पहुंच गया। परिसर में कई जगह पानी भर जाने से विद्यार्थियों और शिक्षकों को आवाजाही में परेशानी हुई। जलभराव के चलते स्कूल का शैक्षणिक माहौल भी प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर वर्ष बारिश के दौरान स्कूल में पानी भरने की समस्या सामने आती है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया है। रहवासियों ने प्रशासन और नगर निगम से स्कूल परिसर की जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त कराने तथा भविष्य में ऐसी स्थिति से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

निगाही परियोजना में हथियारबंद कबाड़ियों का आतंक

गार्ड को बंधक बनाकर रायफल लूटी, कॉपर केबल काटकर बदमाश हुए फरार

सिंगरौली। मोरवा थाना क्षेत्र के एनसीएल की निगाही परियोजना में सोमवार की रात हुई सनसनीखेज वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार 20 से 25 हथियारबंद बदमाश खदान परिसर में घुस आए और ड्रैगलाइन मशीन की सुरक्षा में तैनात गार्ड को बंधक बनाकर मारपीट की। इसके बाद बदमाश लाइसेंसी 315 बोर रायफल, पांच कारतूस, नकदी सहित करीब 80 मीटर कॉपर केबल लूटकर फरार हो गए।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार सुरक्षा एजेंसी के गार्ड गीतम सिंह 3 अगस्त की रात ड्यूटी पर तैनात थे। रात लगभग साढ़े नौ बजे कुल्हाड़ी, लाठी और डंडों से लैस बदमाशों ने पीछे से हमला कर उनका मुंह दबाया, हाथ बांध दिए और मारपीट की। आरोपियों ने रायफल, कारतूस, 500 रुपये, पहचान पत्र, आधार कार्ड, टॉर्च और छाता भी लूट लिया। वारदात के बाद बदमाश गार्ड को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही अन्य सुरक्षा कर्मी और एनसीएल अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घायल गार्ड को मुक्त कराया। मोरवा पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध डकैती, मारपीट और धमकी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों में नाराजगी है। उनका कहना है कि सुरक्षा संबंधी समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया जाता। कुछ कर्मचारियों ने परियोजना प्रबंधन की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की मांग की है।

रोपा लगाने जा रही महिला बज्रपात की हुई शिकार

सिंगरौली । सरई थाना क्षेत्र के समीपी ईटमा गांव में आज सुबह महिला अपने परिजनों के साथ खेत में धान की रोपाई करने जा रही थी कि इसी दौरान तेज चमक-गरज के साथ आकाशीय बिजली गिरी। जहां महिला उसकी चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार पानमति जायसवाल पति लालजी जायसवाल उम्र 48 वर्ष निवासी ईटमा धान की रोपाई करने जा रही महिला पर आकाशीय गाज गिरने से मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

शासकीय आम रास्ते पर अवैध कब्जे से लोग परेशान

सीमांकन के बाद भी नहीं हटा अतिक्रमण, ग्रामीणों ने जियावन थाने में सौंपा आवेदन

सिंगरौली । देवसर तहसील के ग्राम कुर्सा मैरहवा टोला में पुस्तैनी शासकीय आम रास्ते पर कथित अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा है। दर्जनों ग्रामीण मंगलवार को जियावन थाने पहुंचे और आवेदन देकर आरोप लगाया कि सीमांकन के बावजूद कुछ लोगों ने शासकीय भूमि पर धान की रोपाई कर रास्ता पूरी तरह बंद कर दिया है। ग्रामीणों ने अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर मार्ग को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार आराजी क्रमांक 1434 शासकीय सड़क के रूप में दर्ज है। इस भूमि का 7 जुलाई को तहसीलदार देवसर की मौजूदगी में राजस्व अमले ने सीमांकन किया था। सीमांकन के दौरान संबंधित लोगों को शासकीय भूमि पर कब्जा न करने की चेतावनी भी दी गई थी। इसके बावजूद 3 अगस्त को भूमि की जोताई और 4 अगस्त को धान की रोपाई कर आम रास्ता अवरुद्ध कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या पिछले पांच वर्षों से बनी हुई है। कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार सहित कई अधिकारियों से शिकायत के बाद भी स्थायी समाधान नहीं निकला। रास्ता बंद होने से हजारों ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। स्कूल जाने वाले बच्चों, किसानों, बुजुर्गों और मरीजों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस तक गांव नहीं पहुंच पा रही है। ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई कर शासकीय मार्ग को बहाल कराने तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।

नगर निगम आयुक्त ने मोरवा उप कार्यालय में विभागीय कार्यों की समीक्षा की

म.प्र.-उ.प्र. सीमा पर बनेगा भव्य स्वागत द्वार, नागरिक सुविधाओं एवं विकास कार्यों को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

सिंगरौली । नगर निगम आयुक्त सविता प्रधान ने बुधवार को मोरवा उप कार्यालय का भ्रमण कर विभागीय कार्यों, जनसुविधाओं एवं विकास योजनाओं की प्रगति की व्यापक समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता व्यवस्था, कार्यालयीन प्रबंधन, अग्निशमन सेवाओं, यातायात व्यवस्था तथा अतिक्रमण नियंत्रण सहित विभिन्न विषयों पर अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा करते हुए सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक के दौरान क्षेत्रीय पार्षदों से भी विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आयुक्त ने मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश की सीमा पर नगर निगम की पहचान को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक आकर्षक एवं भव्य स्वागत द्वार निर्माण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्य मार्ग पर ऐसा स्वागत द्वार स्थापित किया जाए, जिस पर म.प्र. नगर निगम आपका स्वागत करता है, अंकित हो। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र प्राक्कलन तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

आयुक्त ने मोरवा उप कार्यालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक फर्नीचर, टेबल, कुर्सियों एवं अन्य मूलभूत संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि कार्यालय में आने वाले प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा उनकी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाए। पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक तक नियमित एवं पर्याप्त पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र में संचालित स्वच्छता व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। आपातकालीन सेवाओं की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने जानकारी दी कि मोरवा क्षेत्र के लिए शीघ्र ही शव वाहन उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित बनाने तथा सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त रखने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। आयुक्त ने अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्तियों को तत्काल नोटिस जारी करने तथा आवश्यकतानुसार नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पार्षद परमेश्वर पटेल, शेखर सिंह, राजबहादुर पनिका, प्रतिनिधि शीलू अग्रहरि, नगर निगम डिप्टी कमिश्नर आरपी बैस, स्वास्थ्य अधिकारी बीजी चतुर्वेदी, सहायक यंत्री श्री प्रवीण गोस्वामी सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नाबालिक के साथ गैंग रेप, दोनों आरोपी गिरफ्तार

बालिका की तबियत बिगड़ी, अस्पताल छोड़कर भागे आरोपी

सिंगरौली । सरई थाना क्षेत्र के एक 13 वर्षीय किशोरी के साथ सामुहिक दुष्कर्म करने वाले आरोपियों को सरई पुलिस ने घटना सूचना के 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वहीं गैंग रेप के बाद किशोरी की तबियत बिगड़ी और आरोपियों ने आनन-फानन में अस्पताल सरई छोड़कर भाग खड़े हुये। दोनों आरोपी मुरैना जिले के हैं।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सरई क्षेत्र के एक 13 वर्षीय बालिका 28 जुलाई की शाम 7 बजे सरकारी अस्पताल के सामने अकेले बैठी थी, तभी रेलवे कंपनी में कार्य करने वाले दो युवक लड़के आए और बहला-फुसलाकर सुनसान ले जाने की कोशिस करने लगे। किशोरी ने मना किया तो आरोपियों ने किशोरी को जबरजस्ती ले जाकर पूरी रात नदी

के किनारे धमका कर गैंग रेप करते रहे। घटना के दूसरे दिन सुबह किशोरी को अस्पताल छोड़ कर भाग गये। किसी तरह किशोरी घर आई और घटना की आपबीती बताई। अस्वस्त होने के कारण घटना की रिपोर्ट 2 जुलाई को थाना सरई में दर्ज कराई गई। हालांकि इस दौरान किशोरी को आरोपियों के नाम नही पता था। पुलिस के खोजबीन के बाद आरोपी जावेद शाह पिता मुनीर शाह उम्र 38 वर्ष निवासी संजयनगर जौरा थाना जौरा एवं सोनू उर्फ सेरा खान पिता असलम खान उम्र 24 वर्ष निवासी एन्सीसी ग्राउण्ड के पास अम्बा, जिला मुरैना के रूप में पहचान हुई। फरियादिया की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 137(2),87,65(1)64(2)(एम), 70 (2) बीएनएस एवं 5जी/6,5एल/6,4 (2)पाक्सो एक्ट तथा 3(2) (व्ही), 3(2) (व्ही-ए), 3(1)(डब्ल्यू)(आई),3(1)(डब्ल्यू)(आईआई) एससी एसटी एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया। दोनों आरोपियों को पुलिस ने तत्काल गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया ।

बाउंड्रीवाल निर्माण का आदिवासी परिवारों ने किया विरोध, कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

सिंगरौली। नवभारत फ्यूज कंपनी लिमिटेड द्वारा फूलबरी क्षेत्र में कराए जा रहे बाउंड्रीवाल निर्माण को लेकर आदिवासी परिवारों ने विरोध जताया है। आम आदमी पार्टी सिंगरौली के जिलाध्यक्ष ग्रामीण रतिभान प्रसाद के नेतृत्व में प्रभावित परिवारों की ओर से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने और उचित मुआवजा व स्थायी पुनर्वास की मांग की गई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि जिस भूमि पर कंपनी बाउंड्रीवाल का निर्माण करा रही है, वहां कई आदिवासी परिवार तीन पीढ़ियों से निवास कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रदेश शासन द्वारा पूर्व में इन परिवारों को भूमि का कब्जा भी दिया गया था, लेकिन बिना भौतिक सत्यापन किए उक्त भूमि कंपनी को आवंटित कर दी गई। इससे करीब 30 से अधिक परिवारों के सामने विस्थापन का संकट खड़ा हो गया है। ज्ञापन के अनुसार कंपनी ने कुछ लोगों से स्टांप पेपर पर हस्ताक्षर कराकर मुआवजा देने का आश्वासन दिया, लेकिन अब तक न तो राशि का भुगतान किया गया और न ही वैकल्पिक भूमि उपलब्ध कराई गई। प्रभावितों का कहना है कि जब तक उन्हें नियमानुसार मुआवजा और स्थायी पुनर्वास नहीं मिल जाता, तब तक बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाए। ज्ञापन में ग्राम पंचायत बिछरा के कई प्रभावित परिवारों के नाम भी शामिल किए गए हैं।

नगर निगम सिंगरौली में फिर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

सहायक यंत्री एवं उपयंत्रियों के वार्डो में फेरबदल

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली में एक बार फिर प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। आयुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार तकनीकी शाखा में कार्य व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सहायक यंत्रियों एवं उपयंत्रियों के कार्यक्षेत्र का पुनर्विभाजन किया गया है।

जारी आदेश के तहत विभिन्न वार्डों और शाखाओं की जिम्मेदारियां नए सिरे से अधिकारियों को सौंपी गई हैं। जिसमें आलोक टीरू सहायक यंत्री वार्ड क्रमांक 1 से 11, डीके सिंह सहायक यंत्री वार्ड क्र. 12 से 14 एवं 16 से 22, प्रवीण गोस्वामी प्रभारी सहायक यंत्री वार्ड क्र. 32 से 37 (सहायक यंत्री अमृत योजना, जल प्रदाय एवं सीवरेज), दिनेश तिवारी प्रभारी सहायक यंत्री वार्ड क्र. 15 एवं 23 से 27 सहायक यंत्री उद्यान शाखा प्रधानमंत्री आवास योजना तथा प्रभारी भवन अधिकारी, इन्दवेश यादव प्रभारी सहायक यंत्री वार्ड क्र. 28 से 30, 42 से 45 सहायक यंत्री मॉडल रोड (माजन मोड़ से इन्द्रा चौक) डामरीकरण कार्य, अनुज सिंह प्रभारी सहायक यंत्री वार्ड क्र. 31 एवं 38 से 41 एवं भवन अनुज्ञा में कॉलोनी सेल का कार्य, विशाल खत्री उपयंत्री वार्ड क्र. 23 से 27 सिविल कार्य एवं 33 से 45 विद्युत् कार्य तथा प्रभारी वाहन अधिकारी का कार्य, विष्णु पाल सिंह उपयंत्री वार्ड क्र. 39 से 42 एवं उपयंत्री सेंट्रल स्टोर एवं सीवरेज कार्य, जीतेन्द्र कुमार उपयंत्री वार्ड क्र.1 से 11 तक सम्पूर्ण कार्य (सिविल, विद्युत्, जल प्रदाय), विपिन तिवारी उपयंत्री वार्ड क्र. 28 से 30 एवं 43 से 45, उपयंत्री अमृत, जल प्रदाय, सीवरेज योजना, उद्यान शाखा, प्रधानमंत्री आवास योजना, सिविक सेंटर, मुड़वानी डैम, पीपीपी मॉडल के समस्त कार्य, ई ऑफिस एवं स्वच्छ भारत मिशन, जयशंकर निरत प्रभारी उपयंत्री वार्ड क्र. 12 से 32 विद्युत् सम्बंधित कार्य, शुभम सिंह प्रभारी उपयंत्री वार्ड क्र. 32 से 37 एवं सीवरेज कार्य, महेन्द्र राजपूत प्रभारी उपयंत्री वार्ड क्र. 31 एवं 38, सीवरेज कार्य, संजीव अहिरवार प्रभारी उपयंत्री वार्ड क्र. 12 से 22 को जिम्मेदारी दी गई है।

हर्रहवा नदी में डूबने से 21 वर्षीय युवक की मौत, गांव में पसरा मातम

सिंगरौली। सासन पुलिस चौकी क्षेत्र के हर्रहवा के कैनाल को पार करते समय गहरे पानी में डूबने से एक युवक की आज शाम करीब 4 बजे मौत हो गई। युवक की पहचान बाबूराम शाह उम्र 21 वर्ष पिता स्व.राम प्रसाद शाह निवासी ग्राम भाड़ी टोला के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी बीएल बंसल स्टाफ के साथ घटनास्थल पहुंच कड़ी मशक्कत के बाद शव को बरामद कर लिया। चौकी प्रभारी के अनुसार आज शाम करीब 4 बजे बाबूराम शाह बैल चराने के लिए हर्रहवा नदी के केवट मोहल्ला किनारे पहुंचा। इसी दौरान अचानक वह नदी के गहरे पानी में चले गए और डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद युवक को नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी।

जलभराव वाले स्थलों पर प्रशासन मुस्तैद

आपदा प्रबंधन की टीमें रख रही हैं पैनी नजर

सिंगरौली । जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद है। कलेक्टर गौरव बैनल के नेतृत्व तथा जिला होमगार्ड कमांडेंट के मार्गदर्शन में एसडीआरएफ, होमगार्ड एवं जिला आपदा प्रबंधन की टीमें निगरी गोपद बैराज सहित अन्य जलभराव एवं बाढ़ संभावित क्षेत्रों पर लगातार पैनी नजर बनाए हुए हैं।

प्रशासन के अनुसार निगरी स्थित गोपद बैराज का जलस्तर फिलहाल सामान्य है। बैराज में पानी पुल से लगभग 10 फीट नीचे बह रहा है और वर्तमान में किसी भी प्रकार के जानमाल के नुकसान की स्थिति नहीं है। हालांकि लगातार हो रही वर्षा को देखते हुए जलस्तर की नियमित निगरानी की जा रही है। जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहा है। चितरंगी क्षेत्र के गोपद-सोन संगम गढ़वा, सोन नदी, लांघाडोल की गोपद नदी, निगरी का गोपद बैराज एवं रिहंद जलाशय सहित अन्य जलभराव वाले स्थानों पर प्रशासनिक अमला लगातार निगरानी कर रहा है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राहत एवं बचाव दल आवश्यक संसाधनों के साथ तैयार हैं। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि बारिश के दौरान डूब क्षेत्र, नदी-नालों, जलाशयों एवं गहरे पानी वाले स्थानों पर जाने से बचें। बच्चों को नदी और जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास न जाने दें तथा सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें।

अपेक्स बैंक के प्रशासक का बैढ़न दौरा कल

सिंगरौली। म.प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित अपेक्स बैंक के प्रशासक महेन्द्र सिंह यादव एक दिवसीय प्रवास पर 7 अगस्त को सिंगरौली आएंगे। जानकारी के अनुसार अपेक्स बैंक के चेयरमैन कल 6 अगस्त को भोपाल धनबाद एक्सप्रेस से सिंगरौली के लिए रवाना होंगे, जहां दूसरे दिन 7 अगस्त को बरगवां रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। 11 बजे सहकारी बैंक, पैक्स की बैठक लेने के बाद दोपहर 2 बजे खम्हरिया में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास, जन कल्याण योजना का शुभारंभ करेंगे। सहकारी समितियों का प्रत्यक्ष जायजा लेंगे और किसानों की स्थानीय समस्याओं का मौके पर ही त्वरित समाधान सुनिश्चित करेंगे। साथ ही जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करते हुये शाम 6 बजे सीधी के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

चोटिल रश्मिका ने शेयर की खास पोस्ट

फैंस को बताया कैसे गुजारती हैं घर पर पूरा दिन, रिकवरी रूटीन का किया जिक्र?

बीते दिनों अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने हिप इंजरी की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। फिल्म 'मैसा' की शूटिंग के दौरान उनके साथ यह हादसा हुआ था। हाल ही में अपनी नई इंस्टाग्राम स्टोरी में एक्ट्रेस ने फैंस के साथ अपना रिकवरी रूटीन भी शेयर किया है। रश्मिका मंदाना ने इस स्टोरी में बताया कि घर पर आराम करने के दौरान वह किस तरह अपना दिन बिता रही हैं। उन्होंने लिखा, 'आजकल मेरे दिन खूब सोने और आराम करने में बीतते हैं। इसके साथ ही में कई किताबें पढ़ने, पहेलियां सुलझाने, शो देखने, बालों और स्किन की देखभाल करने, मीटिंस में भाग लेने और परिवार के साथ समय बिताने में गुजारती हूं। इतना ही नहीं मेरे पेट डॉग ऑरा के साथ भी इन दिनों में काफी समय बिता रही हूं।'

इससे पहले एक पोस्ट में रश्मिका ने अपनी चोट की जानकारी शेयर की थी। उन्होंने लिखा, अब आपको आसान भाषा में बताती हूं कि मुझे क्या हुआ है। हमारी हिप के दोनों तरफ 4-4 टेंडन होती हैं। जो हिप को पैरों से जोड़ती हैं। मेरी राइट हिप का एक टेंडन अपनी जगह से अलग हो गया है। अब उसके दोबारा जुड़ने के बाद ही मैं अपना पैर ठीक से उठा पाऊंगी और पहले की तरह चल-फिर पाऊंगी। ये सब मेरी फिल्म मैसा की डांस शूटिंग के दौरान हुआ।'

इससे पहले एक पोस्ट में रश्मिका ने अपनी चोट की जानकारी शेयर की थी। उन्होंने लिखा, अब आपको आसान भाषा में बताती हूं कि मुझे क्या हुआ है। हमारी हिप के दोनों तरफ 4-4 टेंडन होती हैं। जो हिप को पैरों से जोड़ती हैं। मेरी राइट हिप का एक टेंडन अपनी जगह से अलग हो गया है। अब उसके दोबारा जुड़ने के बाद ही मैं अपना पैर ठीक से उठा पाऊंगी और पहले की तरह चल-फिर पाऊंगी। ये सब मेरी फिल्म मैसा की डांस शूटिंग के दौरान हुआ।'

रश्मिका की आगामी फिल्म मैसा की शूटिंग चल रही है। फिल्म का निर्देशन नवोदित निर्देशक रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। इसका निर्माण अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले हो रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है। रश्मिका इसमें एक गोंड महिला की भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा वे अपने एक्टर-पति विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म रणबाली में नजर आएंगी।

'सच में इसकी हकदार हो', शिल्पा शिंदे ने श्रेया कालरा की जीत का मनाया जश्न; 'लॉकअप 2' की विनर बनने पर की पोस्ट

रियलिटी शो 'लॉकअप 2' की विनर श्रेया कालरा बनी हैं। उन्हें शो की ट्रॉफी और एक करोड़ रुपये की नकद राशि इनाम में मिली है। श्रेया की इस सफलता पर अभिनेत्री शिल्पा शिंदे काफी खुश हैं। वह भी शो 'लॉकअप 2' में थीं और श्रेया के साथ उनकी गहरी दोस्ती हो गई थी। अब अपनी बेस्ट फ्रेंड की जीत का जश्न मनाते हुए शिल्पा शिंदे ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की है। बुधवार को जब शो 'लॉकअप 2' के होस्ट रितेश देशमुख और फराह खान ने विजेता के तौर पर श्रेया कालरा का नाम लिया तो शिल्पा भावुक हो गईं। उन्होंने शो में ही श्रेया को गले लगाया। गुरुवार को शिल्पा शिंदे ने एक पोस्ट भी श्रेया के नाम साझा की है। वह लिखती हैं, 'मैं बेहद खुश हूं। शब्दों में बयां नहीं कर सकती कि मैं कितनी खुश हूं। मेरी बेस्टी श्रेया जीत गई। बहुत-बहुत बधाई स्वीटहार्ट, तुम सच में इसकी हकदार हो। तुम्हें चमकते हुए देखकर मेरा दिल गर्व और खुशी से भर जाता है। ढेर सारा प्यार, मुझे तुम पर बहुत गर्व है।' 'लॉकअप 2' में श्रेया का खिताब के लिए मुकाबला शिल्पा शिंदे, शिवांगी जोशी, राम कपूर और योगेश रावत से ही था। आखिरी मुकाबला श्रेया और शिवांगी जोशी के बीच हुआ। टास्क और वोट के दम पर श्रेया को विजेता की ट्रॉफी मिली। कड़े मुकाबले वाले इस फिनाले में उन्होंने शिवांगी को सात वोटों के अंतर से हराया।

टार्जन द वंडर कार ने पूरे किए 22 साल, अजय देवगन के पोस्ट से याद आई एक्शन थ्रिलर फिल्म की कहानी

अभिनेता अजय देवगन स्टारर फिल्म टार्जन द वंडर कार ने अपनी रिलीज के 22 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेता अजय देवगन ने फिल्म से जुड़ी यादों को फिर से ताजा किया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म की एक क्लिप शेयर की। अभिनेता ने लिखा, सिर्फ गाड़ी उड़ाता नहीं, जरूरत पड़े तो गाड़ी बन भी जाता हूं। फिल्म टार्जन द वंडर कार ने रिलीज के 22 साल पूरे कर लिए हैं। 2004 में रिलीज की गई बॉलीवुड एक्शन थ्रिलर फिल्म टार्जन द वंडर कार में वत्सल सेठ और आयशा टाकिया मुख्य भूमिका में थे, जबकि अजय देवगन ने वत्सल के पिता की भूमिका निभाई थी। फिल्म की कहानी अजय देवगन के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें अभिनेता एक कार डिजाइनर थे। वे एक शानदार और आधुनिक कार बनाते हैं, लेकिन कुछ लोग लालच में आकर उनकी हत्या कर देते हैं और कार को पानी में फेंक देते हैं। कई साल बाद देवेंद्र (अजय देवगन) का बेटा राज (वत्सल सेठ) उस पुरानी कार को कबाड़ से खरीदता है और उसे नए रूप में तैयार करता है। साथ ही, अपने पिता की याद में उसका नाम टार्जन रखता है। उस कार के अंदर राज के पिता की आत्मा आ जाती है। कार खुद-ब-खुद स्टार्ट हो जाती है। वह उन सभी लोगों से बदला लेती है जिन्होंने देवेंद्र को मारा था। अंत में सच्चाई सामने आती है और पिता की आत्मा को शांति मिलती है। अब्बास-मस्तान के निर्देशन में बनी फिल्म में एक जादुई और बेहद स्टाइलिश स्पोर्ट्स कार मुख्य आकर्षण थी। उन दिनों कार क्रेज लोगों के बीच शुमार था। फिल्म में दिखाई गई टार्जन कार को मशहूर ऑटोमोबाइल डिजाइनर दिलिप छावरिया ने डिजाइन किया था।

'आवारापन 2' का ट्रेलर रिलीज, फिर मोहब्बत के लिए जंग लड़ते दिखे इमरान हाशमी

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारापन' में इमरान हाशमी ने अपनी अदाकारी से फैंस को हैरान किया था। फिल्म की कहानी, गाने आज तक दर्शकों को याद हैं। फिल्म की अलग ही फैन फॉलोइंग है। अब मेकर्स 'आवारापन 2' लेकर आए हैं, आज इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज किया गया है। यहां जानिए, कैसा है फिल्म 'आवारापन 2' का ट्रेलर? फिल्म 'आवारापन 2' का ट्रेलर मोहब्बत के लिए कुछ भी कर गुजरने की कहानी को दिखा रहा है। इमरान हाशमी और दिशा पाटनी के बीच की केमिस्ट्री भी कमाल की है। वहीं ट्रेलर में इमरान हाशमी के एक्शन सीन्स भी हैरान करते हैं। उनके डायलॉग भी दर्शकों को पसंद आएंगे। एक सीन में वह कहते हैं, मौत से मेरा पुराना रिश्ता है, उसका एक कर्ज है, जो चुकाना है। ट्रेलर में शबाना आजमी भी हैं, जो नेगेटिव रोल में नजर आ रही हैं। इसके अलावा दिशा पाटनी के भी कई सीन्स इसमें देखने को मिले।

ट्रेलर में जो फिल्म के सीन्स सामने आए हैं, उससे अंदाज लगाया जा सकता है कि शबाना आजमी और इमरान हाशमी के किरदार के बीच एक रंजीश है। फिल्म में ड्रग्स का एंगल भी नजर आ रहा है। देखना होगा कि इस कहानी में इमरान का मकसद क्या है? दिशा और उनके किरदार कैसे जुड़ते हैं। साथ ही साथ एक प्रेम कहानी को इसमें कैसे दिखाया जाएगा। इन बातों से पर्दा फिल्म रिलीज के बाद ही उठेगा।

फिल्म 'आवारापन 2' में इमरान हाशमी, दिशा पाटनी, शबाना आजमी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को नितिन ककड़ ने निर्देशित किया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में 14 अगस्त 2026 को रिलीज होगी। यह फिल्म साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल है।

आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी के बीच छिड़ी बहस, शो 'भोजपुरी बवाल' में हुआ हंगामा

शो के अपकमिंग एपिसोड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी के बीच झगड़ा हो रहा है। बता दें कि यह सभी एक्टर्स लालू प्रसास यादव के बेटे तेज प्रताप यादव के घर पर डिनर करने गए थे। वहीं पर यह हंगामा हुआ। जानिए, अभिनेत्री आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी ने एक-दूसरे पर क्या आरोप लगाए। अभिनेत्री काजल राघवानी ने शो के वायरल वीडियो में कहा, 'आम्रपाली जी आपकी वजह से दिनेश लाल यादव मेरे साथ काम नहीं करते हैं।'

शो भोजपुरी बवाल' में पवन सिंह, दिनेश लाल यादव, आम्रपाली दुबे अपने जिंदगी की झलक फैंस को दिखा रहे हैं। साथ ही इनके निजी जिंदगी के कुछ राज भी सामने आ रहे हैं। शो के अपकमिंग एपिसोड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी के बीच झगड़ा हो रहा है। बता दें कि यह सभी एक्टर्स लालू प्रसास यादव के बेटे तेज प्रताप यादव के घर पर डिनर करने गए थे। वहीं पर यह हंगामा हुआ। जानिए, अभिनेत्री आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी ने एक-दूसरे पर क्या आरोप लगाए।

अभिनेत्री काजल राघवानी ने शो के वायरल वीडियो में कहा, 'आम्रपाली जी आपकी वजह से दिनेश लाल यादव मेरे साथ काम नहीं करते हैं।' इस आरोप पर पहले तो आम्रपाली ने सफाई दी। लेकिन जब काजल लगातार ऐसी ही बात करती रहीं, तो वह नाराज हो गईं। आखिर में वह तेज प्रताप यादव के डिनर से उठकर घर चली गईं। काजल की शिकायत को दूर करने के लिए अभिनेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने उनसे बात की। शो के वीडियो में आम्रपाली और पवन सिंह के चले जाने के बाद दिनेश ने काजल से काफी देर तक बातचीत की। बता दें कि कई साल बाद इन दोनों ने एक फिल्म साथ की है। इस बात का जिक्र आम्रपाली ने भी किया था और कहा था, 'दिनेश जी को आपके साथ का नहीं करना होता तो कभी नहीं करते, लेकिन उन्होंने हाल ही में फिल्म की है ना।'

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का हरदा से शुभारंभ, प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश, अस्पताल प्रबंधक का रहेगा एक स्थायी नंबर, टीबी के 25 मरीजों को वितरित की फूड बास्केट

हरदा। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार, 7 अगस्त से मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत प्रदेशभर में विशेष शिविरों एवं निरीक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री एवं हरदा जिले के प्रभारी मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने हरदा जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया और व्यवस्थाओं में सुधार के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री श्री सारंग ने कहा कि अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल में ड्यूटी बदलने के बावजूद मरीजों को सहायता के लिए अलग-अलग नंबरों पर निर्भर न रहना पड़े। इसके लिए अस्पताल प्रबंधक का एक ही स्थायी मोबाइल नंबर जारी किया जाएगा, जो हर समय सक्रिय रहेगा और शिफ्ट बदलने पर भी नहीं बदलेगा।

प्रभारी मंत्री ने अस्पताल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की और सुरक्षा इंतजामों का पुन: आकलन कर उन्हें और अधिक मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में मरीजों की सुरक्षा और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की कमी को शीघ्र दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान श्री सारंग ने अस्पताल में भर्ती क्षय रोग (टीबी) से पीड़ित 25 मरीजों को पोषण सहायता के रूप में फूड बास्केट वितरित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनहित और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर शासन के प्रति जनता का विश्वास और अधिक मजबूत करना है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष गजेंद्र शाह, उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गेहलोत, जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश वर्मा, जिला ओलंपिक संघ अध्यक्ष संदीप पटेल, कलेक्टर सिद्धार्थ जैन, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्व स्तनपान सप्ताह: मातृ दुग्ध के महत्व पर महिलाओं को किया जागरूक

पथरोटा के आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित कार्यक्रम, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को दिलाई स्तनपान की शपथ

इटारसी। महिला एवं बाल विकास विभाग की केसला परियोजना के अंतर्गत सेक्टर पथरोटा के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 50 एवं 51 में शुक्रवार को विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती, धात्री एवं अन्य महिलाओं को नवजात शिशु के लिए मातृ दुग्ध के महत्व तथा सही स्तनपान की जानकारी दी गई।

सेक्टर पर्यवेक्षक चेतना ढीवरे ने बताया कि प्रतिवर्ष 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इसी क्रम में महिलाओं को बताया गया कि नवजात शिशु को जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान कराना चाहिए। साथ ही जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध ही देना चाहिए तथा दो वर्ष की आयु तक अर्धठोस आहार के साथ स्तनपान जारी रखना चाहिए। कार्यक्रम में महिलाओं को यह भी समझाया गया कि नवजात को पानी, शहद, घुट्टी अथवा डिब्बाबंद आहार नहीं देना चाहिए। स्वच्छता एवं शिशु की देखभाल से जुड़ी आवश्यक जानकारियां भी साझा की गईं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि मां का पहला पीला गाढ़ा दूध (कोलोस्ट्रम) शिशु के लिए प्रथम टीकाकरण के समान होता है और यह बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के अंत में स्तनपान विकल्प नहीं, संकल्प है विषय पर सभी उपस्थित महिलाओं को स्तनपान को बढ़ावा देने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर मातृ सहयोगिनी समिति की अध्यक्ष एवं सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पुतला सराठे, कीर्ति चौधरी, सहायिका नीतू एवं मंजू सराठे तथा आशा कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ ने सदस्यता अभियान को दी रफ्तार, इटारसी शाखा ने 80 से अधिक कर्मचारियों को जोड़ा

परिचालन विभाग की समस्याओं और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर अलग-अलग ज्ञापन सौंपे, कर्मचारियों के हितों की मांग उठाई

इटारसी। वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री श्री अशोक शर्मा के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार भोपाल मंडल में सदस्यता अभियान को गति दी जा रही है। इसी क्रम में मंडल अध्यक्ष आर.के. शर्मा, मंडल सचिव कमलेश परिहार तथा सहायक महामंत्री बी.एल. मिश्रा के नेतृत्व में मुख्य शाखा इटारसी ने विषम परिस्थितियों और लगातार हो रही भारी बारिश के बीच भी सदस्यता अभियान को सफलतापूर्वक संचालित किया।

संघ द्वारा भोपाल मंडल की सभी शाखाओं को अगस्त माह के अंतिम चरण तक 80 प्रतिशत सदस्यता सुनिश्चित करने का लक्ष्य दिया गया है। इसी अभियान के तहत मुख्य शाखा इटारसी ने परिचालन एवं वाणिज्य विभाग के लगभग 80 रेलवे कर्मचारियों की सदस्यता कराते हुए उनके सदस्यता प्रपत्र भरवाकर जमा कराए। इसके साथ ही सीवाईएम नया इटारसी के पॉइंट्समैन तथा एएसएम सहित कई कर्मचारियों को भी संगठन की सदस्यता दिलाई गई।

सदस्यता अभियान के साथ-साथ कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर भी संघ सक्रिय नजर आया। परिचालन विभाग से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, भोपाल के नाम पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सीवाईएम श्री दिवाकर को सौंपा गया। ज्ञापन में कार्यस्थल की व्यवस्थाओं में सुधार, कर्मचारियों की सुविधाओं तथा अन्य लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई।

इसी प्रकार रेलवे कर्मचारियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, भोपाल के नाम एक अलग ज्ञापन रेलवे चिकित्सा अधीक्षक नया यार्ड इटारसी डॉ. फर्जिन को सौंपा गया। ज्ञापन में रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को चिकित्सा सेवाओं का बेहतर लाभ उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग उठाई गई।

इस अवसर पर मुख्यालय कार्यकारिणी सदस्य राजेश गौर, नितिन ओंकार, प्रीतम तिवारी, योगेश चौरे, धीरज, रोहित रैकवार, मुकेश, ज्ञानेंद्र दुबे, नीरज, नूतन सहित वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के अनेक युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संगठन को मजबूत बनाने और कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया। उक्त जानकारी वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के आजीवन सदस्य प्रीतम तिवारी द्वारा दी गई।

सभी संबंधित विभाग एवं बैंक आगामी डीएलसीसी बैठक से पूर्व स्वीकृत प्रकरणों का वितरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर

भिण्ड। कलेक्टर भिण्ड की अध्यक्षता में गत दिवस विभिन्न स्वरोजगार एवं रोजगारोन्मुखी योजनाओं की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, वार्षिक साख योजना (एसीपी), प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन (पीएमएफएमई) योजना, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना तथा मुख्यमंत्री विमुक्त, घुमंतु एवं अर्धघुमंतु स्वरोजगार योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर द्वारा संबंधित विभागों एवं बैंकों को निर्देश दिए गए कि आगामी 12 अगस्त को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय सलाहकार समिति (डीएलसीसी) की बैठक से पूर्व सभी स्वीकृत प्रकरणों का बैंकों द्वारा अनिवार्य रूप से वितरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों के आवेदन भरवाने, योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा योजनाओं के लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

AAIM एसोसिएशन सभागार में औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए बैठक

भोपाल। कलेक्टर ,कमिशनर महोदय एवं नगर पालिका परिषद मण्डीदीप द्वारा मुख्यमंत्री जन विकास अभियान के 7 अगस्त को AAIM एसोसिएशन सभागार मे औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं के समाधान हेतु बैठक आयोजित की गई । इस बैठक में जिले में चल रही विभिन्न योजनाओं, रोजगार, उद्योग स्थापना, स्वस्थ्य योजनाओं एवं युवाओं को रोजगार से जोड़ने जैसे महत्वपूर्ण विषयों (जो मेसेज के साथ पत्र संलग्न है उसमें लिखी हुई है)पर चर्चा की जाएगी। अतः आपसे निवेदन है कि निर्धारित समय पर उपस्थित होकर बैठक में सहभागिता करें। निवेदक एसोसिएशन ऑफ आल इंडस्ट्रीज,मंडीदीप एवं नगर पालिका परिषद, मण्डीदीप।

दो सदियों की साक्षी रही हिंदी पत्रकारिता में महिला पत्रकारों की भूमिका पर होगा विमर्श

भोपाल। हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हिंदी लेखिका संघ, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा 8 अगस्त प्रातः 11ः30 बजे ज्ञान तीर्थ सभागार, पत्रकार कॉलोनी के सामने, लिंक रोड क्रमांक-3, भोपाल में दो सदियों की साक्षी हिंदी पत्रकारिता महिला पत्रकारों की महती भूमिका÷ विषय पर एक विशेष विमर्श का आयोजन किया जा रहा है। संस्था की अध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पूरे होना भारतीय पत्रकारिता के इतिहास का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस अवसर पर आयोजित यह विमर्श हिंदी पत्रकारिता के विकास में महिला पत्रकारों के ऐतिहासिक योगदान, उनके संघर्ष, उपलब्धियों तथा समकालीन पत्रकारिता में उनकी सशक्त भूमिका को रेखांकित करेगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को हिंदी पत्रकारिता की समृद्ध परंपरा से परिचित कराना तथा महिला पत्रकारों के अवदान को सम्मानपूर्वक स्मरण करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सुश्री अनुराधा शंकर, आईएएस करेंगी, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री श्री विजयदत्त श्रीधर, संस्थापक, ज्ञान तीर्थ ट्रस्ट संग्रहालय, उपस्थित रहेंगे। विमर्श में वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार सुश्री शिफाली पांडे, डॉ. मृदु मिश्रा, डॉ. मंगला अनुजा तथा सुश्री अंजली राय अपने विचार व्यक्त करेंगी। वे हिंदी पत्रकारिता के दो शताब्दियों के सफर में महिला पत्रकारों के योगदान, चुनौतियों और बदलते परिदृश्य पर अपने विचार साझा करेंगी।कार्यक्रम का संचालन सुश्री ममता यादव करेंगी। डॉ. गंगराड़े ने साहित्यकारों, पत्रकारों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों तथा हिंदी भाषा और पत्रकारिता में रुचि रखने वाले सभी नागरिकों से इस महत्वपूर्ण विमर्श में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने की भिण्ड शहर में ब्राण्डेड घी के प्रतिष्ठानों की संघन जांच

भिण्ड। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश भोपाल के आदेश पर, कलेक्टर भिण्ड के निर्देशानुसार एवं अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन के मार्गदर्शन में स्थानीय खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने भिण्ड शहर में ब्राण्डेड घी के प्रतिष्ठानों की संघन जांच की। विगत सप्ताह में नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आदेशानुसार चलाए गए विशेष अभियान में अन्य जिलों से ब्राण्डेड घी के नमूने असुरक्षित पाए जाने से स्थानीय स्तर पर धोलपुर फ्रेश घी एवं सहकार घी के नमूने जांच वास्ते लिए गए। लश्कर रोड एचडीएफसी बैंक के पास स्थित अनुराग ट्रेडर्स से धोलपुर फ्रेश घी के तीन नमूने लेकर 48 लीटर घी जप्त किया एवं पेंच नंबर-01 में गोयल एजेंसी से सहकार घी का नमूना लेकर 05 लीटर घी जप्त किया। जप्त घी की कीमत लगभग 28500 रूपये है। कार्यवाही में खाद्य सुरक्षा अधिकारी कु. रेखा सोनी, श्रीमती रीना बंसल एवं श्रीमती किरन सेंगर उपस्थित रहीं।

मंत्रालय बार द्वारा राकेश सिंह भदौरिया का सम्मान

भोपाल। आज मप्र मंत्रालय बार ऐसोसियेशन के अध्यक्ष संजय गुप्ता एडवोकेट द्वारा राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव में प्रथम नंबर पर जीतने वाले युवा अधिवक्ता इंदौर के राकेश भदौरिया को निर्वाचित होने पर उनका सम्मान किया गया। उनको सम्मान स्वरूप अंगवस्त्र एवं मोतियों की माला प्रदान की गई। उपरोक्त सम्मान समारोह में मुख्य रूप से स्टेट बार के पूर्व को-चेयरमेन राजेश व्यास, भोपाल बार के खालिद हफीज, राकेश गोहिल, प्रियनाथ पाठक हाशिम अली, मनोज शाही, जगदीश गुप्ता इत्यादि अधिवक्ता, उपस्थित थे।

निर्वाचन कार्यों में छोटी सी लापरवाही अविश्वास का बन जाती है कारण: राज्य निर्वाचन आयुक्त श्रीवास्तव

उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और मास्टर ट्रेनर्स की हुई प्रशिक्षण कार्यशाला

भोपाल। निर्वाचन कार्यों में छोटी सी लापरवाही अविश्वास का कारण बन जाती है। अत÷ प्रशिक्षण कार्यशाला में अपनी सभी शंकाओं का समुचित समाधान करें और अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दें। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव ने यह बातें उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और मास्टर ट्रेनर्स की राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला में कही। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री श्रीवास्तव ने कहा कि स्थानीय निकायों के निर्वाचन तुलनात्मक रूप से अधिक संवेदनशील होते हैं। आपकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। निर्वाचन प्रक्रियाओं की नवीनतम तकनीकों को अपनाने के साथ ही इस बात पर विशेष ध्यान दें कि इन तकनीकों पर मतदाताओं का पूरा विश्वास कायम रहे। मतदान की पवित्रता को मतदाता हमेशा याद रखता है। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि मतदान की प्रक्रिया की वेबकास्टिंग करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईव्हीएम के माध्यम से मतदान एक साथ कराने पर भी गहन विचार-विमर्श किया जा रहा है। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि सहयोगात्मक संघवाद की भावना के अनुरूप किराये पर मध्यप्रदेश, त्रिपुरा, सिक्किम, महाराष्ट्र और राजस्थान में स्थानीय निकायों के निर्वाचन के लिये ईव्हीएम उपलब्ध करायी गयी हैं।

श्री श्रीवास्तव ने कहा कि स्थानीय निर्वाचन लोकतंत्र की प्रयोगशाला हैं। मध्यप्रदेश में स्थानीय निकायों के निर्वाचन में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने के साथ ही अन्य कई प्रयोग किये गये हैं। उन्होंने कहा कि कॉन्फिडेंस नीचे तक पहुँचना चाहिए। इससे कार्य में सुगमता आती है। मतदान के दौरान ऐप के माध्यम से रियल टाइम रिपोर्टिंग करें। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री दिनेश श्रीवास्तव ने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग नवाचारों में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि इस बात का ध्यान रखें कि निर्वाचन में छोटी सी त्रुटि भी क्षम्य नहीं है। प्रशिक्षण को गंभीरता से लें। कार्यशाला में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स श्री पी. एन. सनेसर ने डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन मैनेजमेंट प्लान, सुश्री समीरा नईम ने इलेक्शन रिजल्ट, डॉ संजय गाड़गे ने ईव्हीएम रेण्डमाइजेशन, डॉ. महेश अग्रवाल ने आईपी बीएमएस और आयोग के विधिक सलाहकार डॉ. प्रदीप शुक्ला ने व्यय लेखा एवं आदर्श आचरण संहिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उप सचिव श्रीमती संजू कुमारी ने कार्यशाला के उद्श्यों के बारे में बताया। इस दौरान राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव श्री मनोज मालवीय, श्री सतीश शाक्य सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कॉम्पलेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित। संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)